हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 7 जुलाई 2024

09 64041 लोगों ने किया हैप्पी कार्ड के लिए आवेदन 22038 को मिले

10 किसानों को आईएमटी की जमीन का दिया जाएगा उचित मूल्यः पूर्व शिक्षामंत्री

खबर संक्षेप

नारनौल। चोरी के बाद घर में बिखरा पड़ा सामान। फोटो : हरिभूमि

गहली में मकान से नकदी व आभूषण चोरी

नारनौल। गांव गहली में एक बंद मकान से अज्ञात चोर हजारों रुपये व सोने चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस को दी गई शिकायत में शहर के सेक्टर एक निवासी मुसद्दीलाल ने बताया कि उसके दो लड़के हैं तथा दोनों ही अब सेक्टर-1 में रहने लग गए हैं। वहीं उनके गांव में बना हुआ मकान कई दिनों से बंद पड़ा था। आज वे मकान को संभालने गए तो उन्होंने देखा कि चोरों ने उसके मकान का ताला तोड़कर कमरे में रखी आलमारी से 30 हजार रुपये चोरी कर लिए। इसके अलावा एक सोने की अंगूठी व अन्य आभूषण भी चोरी कर ले गए।

पाथेड़ा में दानपात्र से रुपये चोरी, केस दर्ज

महेंद्रगढ़। गांव पाथेड़ा के राधा-कृष्णा मंदिर का अज्ञात चोर दानपात्र तोड़कर रुपये चोरी करके ले गए। जगदीश ने सदर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह गांव पाथेड़ा का रहने वाला हैं। छह जुलाई को हमारे गांव का पुजारी रामसिंह सुबह चार बजे मंदिर में पूजा-पाठ करने आया, इस दौरान उसने देखा बाहर का दरवाजा टूटा हुआ था। जब रामसिंह अंदर गया तो देखा कि मंदिर का गल्ला तोड़कर नीचे रखा हुआ था और गल्ले में जितने भी रुपये थे, वह अज्ञात चोर चोरी करके ले गया।

कृषि कनेक्शन काटने की मांग

कनीना। कनीना-अटेली रोड स्थित गांव रामबास के ग्रामीणों ने इंदिरा आवास कॉलोनी के बोरवेल से कृषि सिंचाई करने के लिए दबाई गई पाइप लाइन का कनेक्शन काटने की मांग को लेकर एसडीएम सुरेंद्र सिंह व बीडीपीओ अरूण कुमार को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों सोमबीर, मंजीत, नरेंद्र सिंह, सुनील कुमार, सुमेर सिंह, सुरेश कुमार, प्रताप, रणबीर, सुनीता पंच, चेतराम, वेदप्रकाश ने कृषि सिंचाई का कनेक्शन काटने की मांग की है।

श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर का 18वां वार्षिकोत्सव आज

नारनौल। श्रीराम सेवा समिति की ओर से निजामपुर रोड स्थित सैनी धर्म कांटा के पास श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर (नदी वाले) का 18वां वार्षिक उत्सव रविवार सात जुलाई को मनाया जाएगा। इस दौरान भंडारा भी होगा। समिति अध्यक्ष हरिराम सैनी ने बताया कि इस उत्सव में भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष भारती सैनी व नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी मुख्य अतिथि होगी।

दोहान नदी में पानी आना हुआ शुरू, गांव बेरी तक नदी में पहुंच चुका है पानी

- जिला के अंतिम छोर तक पानी पहुंचने के बाद बढ़ाई जाएगी क्षमता
- दो दिन पहले ही विभाग ने दोहान नदी में पानी छोड़ना किया है शुरू, विभाग द्वारा बनाए हंप में पानी स्टोर होना हुआ शुरू
- जअंतिम टेल तक पानी पहुंचने के बाद अधिक डाला जाएगा दोहान में पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंदगढ़

बरसात का मौसम शुरू होने के साथ ही सिंचाई विभाग की ओर से दोहान नदी में पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। विभाग की ओर से अभी दोहान नदी में कम पानी छोड़ा जा रहा है। विभाग की ओर से अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए एमसी-3 पंप हाउस से पानी की क्षमता बढ़ा दी गई है। इसके बाद जवाहर लाल कैनाल के अतिरिक्त पानी को दोहान नदी में पानी की क्षमता बढ़ाई जाएंगी। वर्तमान में जिले के दोहान नदी के साथ लगते गांव बेरी की सीमा तक पानी पहुंच चुका है।

महेंद्रगढ़। दोहान नदी में छोड़ा गया पानी। फोटो : हरिभूमि

बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के प्रयासों से कृष्णावती और दोहान नदियां आधी सदी के बाद पुनर्जीवित हुई हैं। ये दोनों नदियां महेंद्रगढ़-नारनौल की जीवन रेखा मानी जाती थी, लेकिन पिछले 50 सालों में बारिश कम होने से न केवल सूख गई थी, बल्कि इनमें कई स्थानों पर लोगों ने अवैध कब्जे कर लिए थे। पहले इन दोनों नदियों में नीम का थाना की पहाड़ियों से बारिश का पानी आता था, लेकिन करीब 50 वर्ष से दोनों नदियां पूरी तरह से सूख चुकी थी। मानसून में पानी की मांग कम होने से नहरों को 16 स्थानों पर इन नदियों से जोड़ा गया है। नारनौल ब्रांच को डेरोली अहीर के पास लगभग 300 सीएस का एस्केप दोहान नदी में दिया गया और डेरोली से महेंद्रगढ़ शहर तक करीब 16 किलोमीटर लंबी नदी को पुनर्जीवित किया गया।

जल्द डाला जाएगा दोहान में अतिरिक्त पानी

सिंचाई विभाग के एसडीओ सुरेंद्र जागड़ा ने बताया कि जवाहर लाल कैनाल नहर में अभी पानी आना शुरू हुआ हैं। दोहान में पानी चला दिया हैं। जिले के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने के बाद दोहान नदी में पानी की क्षमता बढ़ाई जाएगी।

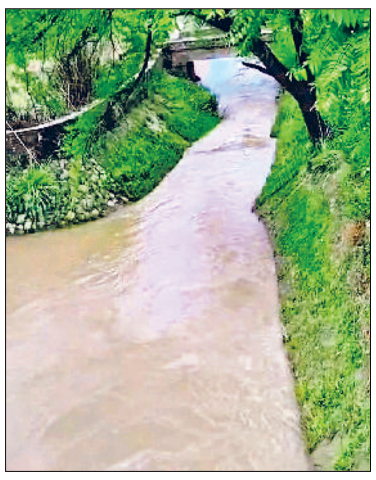

महेंद्रगढ़। सिंचाई विभाग की ओर से दोहान नदी में छोड़ा गया पानी। फोटो : हरिभूमि

अंतिम छोर तक पानी पहुंचने के बाद दोहान में बढ़ाई जाएगी पानी की क्षमता

सिंचाई विभाग की ओर से जवाहर लाल कैनाल में पानी आने के साथ ही दोहान नदी मे पानी छोड़ना शुरू कर दिया हैं। विभाग द्वारा अभी दोहान नदी में कम पानी डाला जा रहा हैं। विभाग का प्रयास है कि अंतिम छोर तक पहले पानी पहुंचाया जाए। इसके बाद जेएनएल के अतिरिक्त पानी को दोहान नदी में छोड़ा जाए। विभाग की ओर से अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने के लिए एमसी-3 पंपहाउस की क्षमता बढ़ा दी गई हैं। अभी विभाग की ओर से 750 क्यूसिक पानी की जगह 900 क्यूसिक पानी छोडा जा रहा हैं। ताकि जिले के अंतिम छोर तक नहरी पानी पहुंचाया जा सके। इसके बाद दोहान नदी में अतिरिक्त पानी छोड़ा जा सकें। विभाग की ओर से दोहान नदी में छोडा गया अतिरिक्त पानी नदी पर गांव कौथल खुर्द, बेरी, उंची भांडोर व जासावास में करीब 151 लाख रुपये की लागत बनाए गए हंप स्टोर होना शुरू हो गया हैं।

हाउसिंग बोर्ड में सुबह पहुंचा पार्षदों का दल

फिलहाल धरना स्थगित, वार्डों में जाकर जनसमस्या से रूबरू करवाएंगे पार्षद

- सीवरेज ओवरफ्लो हुआ तो पता चला कब्जा कर मकान के अंदर ही सिफ्ट कर लिया सीवरेज हॉल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नगर परिषद की कार्यशैली के विरुद्ध पार्षदों ने दो दिन धरना दिया। फिर विधायक ओमप्रकाश यादव के हस्तक्षेप और सात दिन में समाधान के आश्वासन के बाद पार्षदों ने धरना स्थगित कर दिया है। फिर भी मुद्दे को ढीला नहीं छोड़ रहे है। इन पार्षदों ने तय किया है कि इस एक सप्ताह वह शहर में रोजाना चार से पांच वार्डों में जाएंगे और वहां की मुख्य समस्याओं को धरातल पर देखकर प्रशासन तक समाधान करवाने की मांग उठाएंगे।

इसी मुहिम के तहत शनिवार करीब 10 पार्षदों ने वार्ड नंबर एक, दो, तीन व नौ का दौरा किया। इस मौके पर पार्षद नितिन चौधरी, पार्षद राजेंद्र सैनी, पार्षद अजय सिंघल, पार्षद रविन्द्र भांखर, पार्षद काशीराम, पार्षद संजय सैनी, पार्षद अत्तर सिंह, पार्षद देवेंद्र, पार्षद प्रतिनिधि विनोद सैनी, पार्षद प्रतिनिधि अरुण यादव, पार्षद प्रतिनिधि भास्कर खनगवाल व पार्षद प्रतिनिधि गौरव यादव आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। वार्ड नंबर एक की समस्या से रूबरू होते पार्षदगण व वार्ड नंबर दो में हाउसिंग बोर्ड में मकान के अंदर सीवरेज से निकल रहे गंदे पानी को दिखाते पार्षदगण। फोटो : हरिभूमि

वार्ड नं. 1 का हालः इस दौरान वार्ड नंबर एक के पार्षद संजय सैनी ने साथी पार्षद को बताया कि उनके वार्ड में जेठू बाबा मंदिर पार्क की सभी दीवारे टूट गई हैं। पानी की मोटर खराब पड़ी हैं। पानी के अभाव में घास व पेड़ खत्म होने के कगार पर हैं। ना ही यहां कोई कर्मचारी लगाया गया हैं। सोचने की बात यह हैं कि इन सब का एस्टीमेट तैयार किए हुए मुद्दत हो चुकी हैं, लेकिन नगर परिषद प्रशासन टेंडर छोड़ने को तैयार नहीं है। दूसरी समस्या यहां ढाणी किरारोद के जोहड़ पर पानी निकासी के लिए स्थाई जरनेटर लगाने की हैं। जरा सी बारिश होते ही यहां पानी स्तर से ऊपर आकर बस्ती में चला जाता हैं, जिससे आमजन बेहद परेशान हैं।

वार्ड नं. 2 का हालः वार्ड नंबर दो की पार्षद प्रीति यादव ने मौके पर अतिक्रमण का नजारा दिखाते हुए कहा कि सड़क का सीवरेज हॉल एक मकान में तीन फुट अंदर हैं। जिसके कारण उसकी रेगुलर सफाई नहीं हो पाती। अब वह ओवरफ्लो हो गया हैं तो आस पड़ोस के सभी लोग इसका खामियाजा भुगत रहे है।

वार्ड नं. 3 का हाल

वार्ड नंबर तीन से पार्षद अत्तरसिंह ने मौके पर दिखाया कि गांव के स्कूल और शीतला माता मंदिर के आगे का मुख्य रास्ता एक दम टूटा हुआ है। बार-बार बोलने पर भी इसकी मरम्मत नहीं की जा रही। आवागमन करने वाले विद्यार्थियों सहित आमजन को इसमें बेहद असहजता महसूस होती हैं।

नारनौल। वार्ड तीन में स्कूल के बाहर सड़क की हालत दिखाते पार्षदगण।

वार्ड नं. 9 का हाल

वार्ड नंबर नौ के पार्षद प्रतिनिधि भास्कर खनगवाल ने बताया कि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बाहर पूरे मुख्य मार्ग पर गंदगी का आलम हैं। सही निकासी नहीं होने की वजह से बरसाती पानी एकत्रित रहता है। इस जनहित की मांग को पार्षद ने हाउस की बैठक में भी कई बार रख चुकी है, लेकिन उसका कोई हल आज तक नहीं निकला हैं।

नारनौल। वार्ड नौ में कॉलेज रोड की हालत दिखाते पार्षदगण। फोटो : हरिभूमि

अब नप हाउस बैठक पर ही उठे सवाल

- धरना देने वाले पार्षदों ने हाउस बैठक का किया बहिष्कार, अब इस बैठक पर ही उठ रहे सवाल!

नारनौल। नगर परिषद की प्रधान कमलेश सैनी ने नौ जुलाई को हाउस की बैठक बुलाई है। इसकी सूचना पार्षदों को भी दी गई है हालांकि धरने पर बैठने वाले पार्षदों ने इस बैठक का बहिष्कार पहले ही दिन कर दिया था। अब अन्य पार्षद भी इस बैठक पर सवाल उठाने लगे है। वार्ड नंबर सात जिसमें नीरपुर गांव भी शामिल है, इस वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि सुमेर कांडा ने बताया है कि जब भी नगर परिषद में प्रधान की ओर से हाउस की बैठक बुलाई जाती है, उसमें एक ही बात बोली जाती है, सभी वार्ड पार्षद अपने-अपने वार्डो के एजेंडे प्रधान कार्यालय में दें। इस तरह की चार हाउस बैठकों में पार्षदों की ओर से अपने-अपने वार्ड के एजेंडे दिए जा चुके है। कमान की बात यह है कि दिए गए एजेंडों पर हाउस की बैठक में प्रधान द्वारा पार्षदों के साथ ना ही कोई चर्चा होती और ना ही पार्षदों द्वारा दिए गए एजेंडों का आज तक कोई निष्कर्ष निकला और ना ही कोई समाधान हुआ। हाउस की प्रत्येक बैठक में प्रधान की ओर से पार्षदों को गुमराह किया जाता रहा है। वार्ड पार्षदों की ओर से दिए गए मुद्दों को प्रधान ने आज तक सरकार तक पहुंचाया ही नहीं। अगर पहुंचाया है तो बताएं। हां, एक बात तो है जब भी नगर परिषद की प्रधान कमलेश सैनी हरियाणा सरकार के पास पहुंची है तो सिर्फ और सिर्फ नगर परिषद के अधिकारियों की शिकायत व तबादले के लिए पहुंची है। पिछले दो वर्षाे से शहर के वाडाे में विकास की जगह विनाश हो रहा है। प्रधान की ओर से विकास पर जोर ना देकर अधिकारियों के तबादलों पर जोर दिया जा रहा है। दूसरी अहम बात, जब तक ये पक्षपात व भेदभाव प्रधान द्वारा जारी रहेगा, नारनौल शहर का विकास कभी नहीं होगा।

नायब तहसीलदार के साथ की गई बदसलूकी मामले ने पकड़ा तूल

कनीना। कनीना तहसील कार्यालय में नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल के साथ एक जुलाई को हुई बदसलूकी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले को लेकर डिस्टिक एटरोसिटी कमेटी के सदस्यों ने उपायुक्त मोनिका गुप्ता के सामने मामला रखकर आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। अधिवक्ता वीके बोस ने कहा कि अनुसूचित जात/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989, संसोधित 2016 के जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी कमेटी की बैठक में उन्होंने विशेष रूप से मामले का समझा और शीघ्र ही कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि कनीना तहसील कार्यालय में नायब तहसीलदार दलबीर सिंह कार्य कर रहे थे, उस समय रामकिशन कोटिया व सुशील सरपंच ढाणा भोजावास में उपलब्ध जमीन से संबंधित कागजात लेकर आए थे। इस दौरान उन्होंने एनटी से अभद्र व्यवहार करते हुए जाति सूचक गालियां देते हुए धमकी दी और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई। जिससे उनके सम्मान को ठेस पहुंची। इस बारे में उन्होंने सिटी थाना पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल की शिकायत पर आरोपित रामकिशन कोटिया व सुशील सरपंच ढाणा के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया। जिसकी जांच कनीना के डीएसपी महेंद्र सिंह की ओर से की जा रही है। उपायुक्त ने दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

नारनौल। धरसू रोड पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। इस बारे में पुलिस को दी गई शिकायत में महरमपुर गांव निवासी अनिल कुमार ने बताया कि उसे सूचना मिली कि धरसू रोड पर हादसा हो गया है। जिस पर वह मौके पर पहुंचा। जहां पर पहुंचकर उसने देखा कि महरमपुर निवासी उसका भतीजा आयुष जांगड़ा व एक अन्य युवक स्कूटी पर थे। जिनको एक डंपर ने टक्कर मार दी। डंपर हाईवे पर ही खड़ा था। स्कूटी उस डंपर के पहिए के नीचे थी। एक लड़का मोहित साइड में जख्मी पड़ा हुआ था, जबकि स्कूटी के पास एक युवक डंपर के टायर के नीचे कुचला हुआ था। जिस पर पास जाकर देखा तो उसको पहचान गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। जिसके बाद दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने आयुष को मृत घोषित कर दिया। वहीं मोहित को प्राथमिक उपचार देकर रेफर कर दिया गया।

मृतक आयुष

नारनौल। सड़क हादसे में डंफर टायर के नीचे आई स्कूटी।

बैठक में लिया फैसला | जिला, तहसील व उपमंडल स्तर पर काम हो जाएगा ठप

कम्प्यूटर ऑपरेटर 15 जुलाई से रहेंगे हड़ताल पर

- सरल केंद्र, अंत्योदय केंद्र, रजिस्ट्री व टोकन सिस्टम भी होगा प्रभावित, अधिकांश सरकारी दफ्तर में कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर एकजुट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारतीय मजदूर संघ से संबंधित हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफैशनल्ज की ओर से शनिवार सभी कम्प्यूटर ऑपरेटर की बैठक हुई। इसमें कम्प्यूटर ऑपरेटर ने सर्व सहमति से 15 जुलाई को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। अगर ऐसा होता है तो सरल केंद्र, अंत्योदय केंद्र, रजिस्ट्ररी, टोकन के अलावा सरकारी महकमों में कम्प्यूटर ऑपरेटरों की हड़ताल से आमजन व विभागों के कार्य ठप हो जाएंगे।

हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफैशनल्ज संबंधित भारतीय मजदूर संघ कई वषाे से अपनी मांगों को लेकर संघर्षरत है लेकिन आज तक सरकार द्वारा किसी भी मांग को नहीं माना गया है। संगठन चाहता है कि डीआईटीएस के अधीन जितने भी कर्मचारी (डीआईटीएस/एचकेआरएनएल) कार्यरत है, उन सभी को हरियाणा सरकार की रेगुलाईजेशन पॉलिसी बनाकर रेगुलर करें। जब तक हरियाणा सरकार की पॉलिसी नहीं बनती है तब तक हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफैशनल्ज को समान काम समान वेतन देते हुए 58 वर्ष की सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए। हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफैशनल्ज संघ 23 जून 2024 को प्रदेशभर के हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफैशनल्ज कुरूक्षेत्र में इकठ्ठा होकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौपा था।

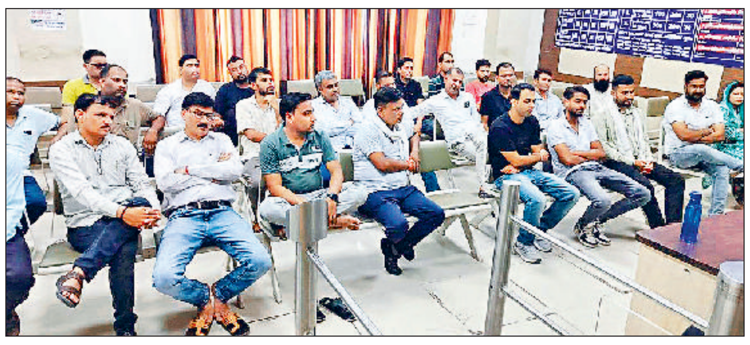

नारनौल। हड़ताल पर जाने संबंधित बैठक में मौजूद कम्प्यूटर ऑपरेटर। फोटो : हरिभूमि

फिर भी हरियाणा सरकार हमारी मांगों को नहीं माना गया। ना ही कोई बैठक के लिए समय दिया गया और न ही कोई परिपत्र जारी किया गया। हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल्ज संघ ने ज्ञापन देने के पश्चात सीएम आवास कुरुक्षेत्र में 15 मई को प्रदेश व्यापी हड़ताल पर जाने की घोषणा की। हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ तहसीलदार व उप तहसीलदार के माध्यम से पुनः ज्ञापन भेजा।

उन्होंने सीएम से मांग की है कि 17 मई को बनी सहमति पर तुरंत प्रभाव से पत्र जारी करवाने का कष्ट करें ताकि सभी कंप्यूटर प्रोफेशनल्ज को इसका लाभ मिल सके। अगर कोई परिपत्र जारी नहीं करवाते हैं तो हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल्ज संघ 15 जुलाई से प्रदेश में होने वाली हड़ताल की पूर्ण रूप से जिम्मेवारी हरियाणा सरकार की होगी। इस बैठक में कंप्यूटर ऑपरेटर प्रधान प्रवीन सैनी, अनिल कुमार सचिव, राजेश शर्मा, दिनेश शर्मा, राजीव शर्मा, सुनील सैनी, दीपक कुमार, रमेश सैनी, पंकज कुमार व अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

मिट्टी में दबे ट्यूबवेल की मोटर व पाइप निकालने कुएं में उतरे मजदूर की मौत

- पुलिस ने इत्तेफाकिया हादसे की कार्रवाई करके शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गत गुरुवार की सुबह हुई बरसात में भूषण कलां गांव में एक किसान के ट्यूबवेल के ईद-गिर्द की मिट्टी कट गई और ट्यूबवेल धंस गया। इसी ट्यूबवेल की मोटर एवं पाइपों को निकालने के लिए एक मजदूर/मिस्त्री लगाया गया, लेकिन जब वह मजदूर ट्यूबवेल के पास गया तो उसके पैर गिरने पर वहां की जमीन और धंस गई तथा वह ट्यूबवेल वाली जगह पर मिट्टी में दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह समूचे इलाके में जोरदार बरसात हुई थी और उस बरसात से अनेक जगह जलभराव हो गया था तो कई जगहों पर मिट्टी कटाव भी हुआ था। गांव भूषण कलां में सफेद सिंह नामक किसान के ट्यूबवेल की मिट्टी कटाव हो गया था तथा वहां करीब 15-20 फुट गहरा एवं चौड़ा गड्ढा बन गया था। इसमें मोटर एवं पाइप फंस गए थे।

इन्हीं मोटर एवं पाइपों को ठीक करने के लिए गांव डूमडोली निवासी करीब 38 वर्षीय विक्रम सिंह को काम पर लगाया था। जब विक्रम सिंह ट्यूबवेल के पास गया और वहां की मिट्टी पर जैसे ही उसके पैर पड़े, वैसे ही वहां की मिट्टी और धंस गई तथा वह उसी मिट्टी में दब गया। दम घुटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डूमडोली राजस्थान के जिला अलवर का गांव है, जबकि भूषण कलां हरियाणा के नारनौल खंड का गांव है। दोनों की सीमा आपस में मिलती हैं और गांव में आपस में भाईचारा है। इसी नाते सफेद सिंह ने विक्रम सिंह को ट्यूबवेल ठीक करने के लिए काम पर लगाया था, लेकिन उसकी अकस्मात हादसा होने से मौत हो गई। पुलिस ने इत्तेफाकिया हादसे की कार्रवाई करने उपरांत शव का नागरिक अस्पताल नारनौल से पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया। मृतक शादीशुदा था और उसके दो बच्चे बताए गए हैं।

लगातार कुलाचें भर रहा शेयर बाजार, अब क्या करें निवेशक

● एक्सपर्ट बोले, एसआईपी कर रहे हैं घबराएं नहीं, निवेश करते रहें ● बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी निवेश बढ़ाएं ● मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशक लंबी अवधि का लक्ष्य बनाए ● इक्विटी में एसआईपी जारी रखें, अच्छा मुनाफा देकर जाएगा बाजार

एसआईपी का टारगेट पूरा हो गया है तो पैसा निकालने का सही समय

●

सेंसेक्स 80,000 के पार पहुंचा, निवेशकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार अपने रिकॉर्ड हाई पर है। यह लगातार कुलाचें भर रहा है और नित नए रिकॉर्ड बना रहा है। निवेशक हर रोज लाखों रुपये कमा रहे हैं। लगातार बढ़ते बाजार के कारण 4 जुलाई को बीएसई बेंचमार्क संसेक्स ने पहली बार 80,000 का स्तर पार कर लिया। 12 दिसंबर 2023 को सेंसेक्स 70 हजार तक पहुंचा था, यानी 7 महीनों से कम समय में इसने 10 हजार अंकों की तेजी दिखाई है। वहीं, 2 साल की बात करें तो सेंसेक्स 53 हजार से 27 हजार अंक बढ़कर 80 हजार के लेवल तक पहुंचा है। कोविड के समय की बात करें तो सेंसेक्स मार्च 2020 में 26,000 के लेवल पर था। तब से अब तक इसमें 54,000 अंकों की तेजी आ चुकी है। अब सवाल यह है कि इक्विटी में इतनी बड़ी रैली रैली आने के बाद इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेशकों को क्या करना चाहिए। एसआईपी भुना लें या अभी भी जारी रखें। इस रिपोर्ट हम देंगे ऐसी ही जानकारी जो आपके निवेश की बढ़त बनाए रखेगी।

अवास्तविक नहीं बाजार की तेजी

बाजार के जानकारों का कहना है कि 4 साल पहले देखें तो मार्च 2020 में संसेक्स 26,000 के लेवल के आस पास था, जो अब करीब 54,000 अंक बढ़कर 80,000 के पार चला गया है। यह अवास्तविक लगता जरूर है, लेकिन यह सच भी है। यह निवेशकों को भरोसा दिलाता है कि इक्विटी बाजारों ने लंबे समय में अच्छा प्रदर्शन किया है, हमें निवेश करते समय और उसके बाद भी धैर्य और आत्मविश्वास की आवश्यकता है। मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशकों को लंबी अवधि का लक्ष्य बनाकर इक्विटी में एसआईपी जारी रखना चाहिए। म्यूचुअल फंड स्ट्रैटेजीज, स्टॉक मार्केट में सीधे निवेश करने से अलग होती है। लंबी अवधि के निवेशक जिनके पास अच्छी तरह से डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो हैं और एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं, उन्हें लंबी अवधि तक निवेश को बनाए रखना चाहिए। बंद नहीं करना चाहिए।

बाजार कमजोर हो तो यूनिट खरीदें

बाजार में यह रैली पहली बार नहीं है। रैली और फिर कंसोलिडेशन ये बाजार के नेचर में हैं। इसलिए बाजार भले ही 80,000 के पार चला गया है, आगे भी इसमें तेजी आती रहेगी। इसलिए एसआईपी कर रहे हैं तो बाजार की तेजी से घबराने की बजाय, एसआईपी में बने रहें, बल्कि बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी बाजार की गिरावट पर निवेश बढ़ा दें।

अगर गोल पूरे हो गए

अगर आपके फाइनेंशियल गोल पूरे हो गए हैं तो आप इक्विटी से अपना पैसा किसी ज्यादा सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट कर सकते हैं। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि मान लिया आपने बच्चे के हायर एजुकेशन के लिए एसआईपी शुरू किया था। आपका लक्ष्य इसके जरिए 15 लाख जुटाने का था। अगर आपके एसआईपी की वैल्यू 15 लाख हो गई है या बिल्कुल इसके करीब है, तो आपको बाजार के इस वैल्युएशन पर अपना पैसा किसी सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट करने की सलाह दी जाती है। इससे लक्ष्य तक आपको एक भी पैसा नुकसान नहीं होगा। आप अपना पैसा एफडी या डेट विकल्पों में शिफ्ट कर सकते हैं। इससे आपके लक्ष्य पूरे हो जाएंगे और आपका निवेश भी सुरक्षित रहेगा।

पहली बार के निवेशकों के लिए

अगर आप बाजार में नए हैं तो आपको एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी पर चलना होगा, जहां इक्विटी, डेट और गोल्ड का सही रेश्यो हो। इक्विटी में एक्सपोजर चाहते हैं तो अभी के दौर में लार्जकैप और मल्टी कैप फंड बेहतर विकल्प हैं। एसेट अलोकेशन अपनी उम्र और जोखिम लेने की क्षमता के आधार पर तय कर सकते हैं।

रिस्क क्षमता जांच लें

अगर 21 से 40 साल की उम्र है और रिस्क ले सकते हैं तो इक्विटी में 80 फीसदी और डेट में 20 फीसदी अलोकेट रख सकते हैं। उम्र अगर 40 से 55 साल है तो मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में आएंगे। ऐसे में आप इक्विटी और डेट में 60 और 40 फीसदी या 50 और 50 फीसदी रेश्यो तय कर सकते हैं। उम्र 55 साल से ज्यादा है यानी आप रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर कन्जर्वेटिव इन्वेस्टर हैं, तो इक्विटी और डेट में एक्सपोजर 40 फीसदी और 60 फीसदी होना चाहिए। इस तरह से निवेश करेंगे तो आपको नुकसान नहीं होगा। अगर इथ्विटी नुकसान करेगी तो डेट इसकी भरपाई कर देगा। निवेश करते समय अच्छी रणनीति अपनाएंगे तो नुकसान से बचा जा सकता है। इसलिए, सावधानी, धैर्य के साथ रणनीति बनाकर निवेश करें।

स्मॉल कैप में निवेश की क्या होगी सही रणनीति

- इस हाई रिटर्न-हाई रिस्क कैटेगरी में लगा रहे पैसा
- स्मॉल कैप को हाई रिस्क इनवेस्टमेंट माना जाता है
- जोखिम के बावजूद मोटा मुनाफा भी दे जाते हैं ये फंड
- निवेशक चाह कर भी नहीं करते नजरअंदाज
- धैर्य और लंबे समय के लिए निवेश से बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- स्मॉल कैप में निवेश के लिए सही रणनीति अपनाएं
- रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप फंड में बढ़िया पैसा देने की क्षमता है। इसलिए ये फंड हाई रिस्क के बावजूद निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। निवेशक इन फंडों में निवेश कर लगातार मालामाल हो रहे हैं। बाजार आधारित निवेश से मोटी कमाई करनी हो, तो ऊंचा रिटर्न देने वाले स्मॉल कैप शेयर या स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का जिक्र आ ही जाता है, लेकिन स्मॉल कैप के साथ हाई रिटर्न के साथ ही साथ हाई रिस्क भी जुड़ जाता है। यानी स्मॉल कैप शेयर या उनमें पैसे डालने वाले स्मॉल कैप फंड्स, निवेश पर मोटा मुनाफा तो दे सकते हैं, लेकिन उनके साथ ज्यादा जोखिम भी जुड़ा होता है। यही वजह है कि आमतौर पर छोटे निवेशकों को स्मॉल कैप से दूरी बनाए रखने या उनमें एक्सपोजर बेहद सीमित रखने की सलाह दी जाती है।

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब है अपने पैसों को ऐसी छोटी कंपनियों में लगाना, जिनमें आगे चलकर बेहतर रिटर्न देने की क्षमता हो। ये कंपनियां, आकार में छोटी होने के बावजूद, तेजी से बढ़ने की क्षमता रखती हैं। यही बात मुख्य रूप से स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड्स के बारे में भी कही जा सकती है। हालांकि स्मॉल कैप में निवेश के साथ एक बड़ा जोखिम भी जुड़ा रहता है, क्योंकि स्मॉल कैप इनवेस्टमेंट काफी अस्थिर माने जाते हैं। यही वजह है कि सिर्फ उन्हीं लोगों को इनमें निवेश की सलाह दी जाती है, जो बाजार में आने वाले भारी उतार-चढ़ाव को हैंडल कर सकते हैं।

असाधारण रिटर्न संभव

असाधारण रिटर्न मिलने की संभावना स्मॉल कैप में निवेश का मुख्य आकर्षण है। उन छोटी कंपनियों में निवेश करना जबरदस्त ढंग से फायदेमंद साबित हो सकता है, जिनके बिजनेस में आगे चलकर नई ऊंचाइयां छूने की संभावना हो। हालांकि इस दौरान उनमें काफी उतार-चढ़ाव भी आ सकते हैं, जिसे झेलना सबके लिए संभव नहीं हो सकता है, लेकिन जो लोग इसे बर्दाश्त करने की क्षमता रखते हैं, वे अच्छा-खासा मुनाफा हासिल कर सकते हैं।

स्मॉल कैप में सफल निवेश की रणनीति

बाजार में निवेश से जुड़ा एक सच यह भी है कि जिन निवेशकों को मार्केट में पैसे लगाकर मोटा मुनाफा कमाना है या मल्टीबैगर की तलाश है, वे स्मॉल कैप को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर सकते। स्मॉल कैप में निवेश करने वाले अगर सही रणनीति पर अमल करें तो रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। स्मॉल कैप में निवेश की स्ट्रैटजी को सफल बनाने के लिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान दें

रिस्क को कम करने के लिए अपने पैसों को कई स्मॉल कैप फंडों में बांटकर निवेश करें।

नियमित रूप से निवेश करें

बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के बीच कॉस्ट एवरेजिंग करने के लिए सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (SIP) के माध्यम से नियमित निवेश करें।

लॉन्ग टर्म नजरिये से निवेश

बाजार की अस्थिरता का मुकाबला करना है, तो आपको अपना इनवेस्टमेंट होराइजन 7 से 10 साल तक रखना चाहिए।

रिसर्च पर ध्यान दें

स्मॉल कैप में निवेश से मुनाफा कमाना है और मल्टी-बैगर स्टॉक्स की पहचान करनी है, तो आपको रिसर्च पर मेहनत करनी पड़ेगी। तभी आप सही समय पर ऐसी कंपनियों की पहचान कर पाएंगे, जो आगे चलकर मोटा मुनाफा देने की संभावना रखती हैं।

धैर्य बनाए रखें

लंबी अवधि में स्मॉल कैप में निवेश के जरिये मुनाफा कमाना है, तो बाजार में आने वाले शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव के बीच धैर्य बनाए रखना जरूरी है। तभी आप निवेश के सही मौकों का लाभ उठा पाएंगे।

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का सेलेक्शन

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में निवेश करना, भविष्य में बड़ा मुनाफा देने की संभावना रखने वाली छोटी कंपनियों में निवेश करने का एक सुरक्षित और अधिक व्यावहारिक तरीका हो सकता है। फंड मैनेजरों के पास अच्छे स्मॉल कैप स्टॉक चुनने और खराब या संदेहजनक मैनेजमेंट वाले स्टॉक से दूर रहने के लिए जरूरी विशेषज्ञता होती है। सही फंड चुनने के लिए फुल मार्केट साइकल के दौरान उसके प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और फंड मैनेजर के अनुभव और रणनीति पर विचार करना भी जरूरी है।

फंड के साइज और लिक्विडिटी का महत्व

स्मॉल कैप फंड जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं, फंड मैनेजरों के लिए अपने प्रदर्शन को बनाए रखना अधिक चुनौती भरा काम हो जाता है। कैपिटल का फ्लो बहुत बड़ा हो, तो फंड मैनेजर के लिए स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों की कीमतों पर असर डाले बिना उन्हें खरीदना और बेचना बेहद मुश्किल हो सकता है। इसलिए छोटे या मंझोले आकार के फंड में निवेश करने से ग्रोथ के बेहतर मौके मिल सकते हैं।

निवेश में सोना सबसे 'खरा' लोगों को बना रहा 'धनवान'

छह महीने में 8,400 रुपये तक महंगा हो गया गोल्ड, सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी दर्ज की गई है, चीन में मांग बढ़ने, दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के जमकर खरीदारी की, फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना से भी कीमत बढ़ी

जानकारी
विनोद कौशिक

कहा जाता है कि सोना सबसे सुरक्षित निवेश है। चाहे इसे आप किसी भी रूप में खरीदें। यह आपको कभी निराश नहीं करेगा। अक्सर निवेशकों खासकर महिलाओं के लिए तो यह और भी खास है। निवेश के मामले में सोना लगातार बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है। पिछले छह महीने में तो सोने ने सबसे ज्यदा रिटर्न दिया है। इसके दाम 8,400 रुपये तक बढ़ गए हैं। इसलिए तो कहा जा रहा है कि सोना निवेश के मामले में सबसे 'खरा' उतरा है। इसका कोई तोड़ नहीं है। वहीं जानकारों का कहना है कि इस साल सोने के दाम 77000 से 80000 रुपये प्रति दस ग्राम तक जाने की संभावना है। ऐसे में यह निवेश के लिए बेहतर विकल्प है। सोने ने कभी निवेशकों को धोखा नहीं दिया है। इसलिए आप भी इस पीली धातू में निवेश कर मोटा मुनाफा कमा सकते हैं।

सोने का निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन

साल की पहली छमाही खत्म हो चुकी है। इस दौरान सोने ने निफ्टी से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। सोने ने साल की पहली छमाही में 13.37% रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी में इस दौरान 10.5% तेजी आई है। रुपये के लिहाज से देखें तो इस दौरान एमसीएक्स गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट में करीब 8,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर देखें तो इस दौरान सेंसेक्स में 2,279 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई का सोना वायदा 74,777 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था और अब यह 71,800 करोड़ रुपये के आसपास मंडरा रहा है। मध्य पूर्व में तनाव, चीन में सोने की मांग में तेजी और फेड ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण सोने की कीमत में तेजी देखने को मिली।

सोने ने छह महीने में दिया 13.37% रिटर्न

पांच साल से बेहतर रिटर्न

पिछले पांच सालों में सोने और निफ्टी के पहली छमाही के प्रदर्शन को देखें तो गोल्ड ने काफी बेहतर रिटर्न दिया।

सोने का रिटर्न: साल 2019 और 2023 के बीच, सोने का रिटर्न चार मौकों पर सकारात्मक रहा है, जिसमें 2020 में सबसे ज्यादा (13.71%) और 2022 में सबसे कम (0.59%) रहा। 2021 में इसने 3.63% का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

निफ्टी का रिटर्न : वहीं, इसके विपरीत, निफ्टी ने तीन मौकों (2019, 2021 और 2023) में सकारात्मक रिटर्न दिया है। इस दौरान 2021 की पहली छमाही में इसने 12% से अधिक रिटर्न दिया जो 2019 और 2023 के बीच 5 साल की अवधि में सबसे अधिक है। 2020 में, मार्च में कोविड 19 लॉकडाउन के कारण निफ्टी के स्तर में 15% की गिरावट देखी गई। 2022 की पहली छमाही में निफ्टी में 9% की गिरावट आई।

कहां तक जाएगी कीमत

सोने के प्रदर्शन के बारे में स्वर्ण बाजार के जानकारों का कहना है कि फरवरी और अप्रैल के बीच 18% की तेजी के साथ रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोना 71,000-72,000 रुपये के आसपास मजबूत हो रहा है। उक्त अवधि में इसमें 12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। जानकारों ने कीमतों में स्थिरता के लिए पर्याप्त ट्रिगर्स की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। कमजोर बुनियादी बातों और तकनीकी कारणों से अगले 1-2 महीनों में सोना 70,000 रुपये तक पहुंच सकता है। मध्यम से लंबी अवधि का नजरिया अभी भी सकारात्मक है और 2024 की आखिरी तिमाही में पीली धातु नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच सकती है। साल के अंत तक यि 75,000 रुपये से 77,000 या 80000 रुपये प्रति 10 ग्राम के लक्ष्य को हासिल कर सकता है। हालांकि अगले एक दो महीने में यह 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास रहने की उम्मीद है। इस दौरान निवेश इसे खरीदेंगे जो इसमें अच्छा मुनाफा मिलने के पूरे चांस है।

सोने में निवेश के विकल्प

गोल्ड ईटीएफ

आप शेयरों की तरह भी सोने को खरीद सकते हैं। इस सुविधा को ही गोल्ड ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड होते हैं। इन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। आप इसे गोल्ड की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट गोल्ड की कीमतें हैं। हालांकि आपके पास ट्रेडिंग डीमैट अकाउंट होना जरूरी है।

फिजिकल गोल्ड

आप फिजिकल गोल्ड भी खरीद सकते हैं। फिजिकल गोल्ड जैसे सोने के बिस्किट-सिक्के या ज्वैलरी खरीदना है। हालांकि एक्सपर्ट ज्वैलरी खरीदने को गोल्ड में निवेश का अच्छा विकल्प नहीं मानते हैं। इसकी वजह है कि इसपर आपको मेकिंग चार्ज और जीएसटी देना पड़ता है।

पेमेंट ऐप से करें निवेश यानी डिजिटल गोल्ड

अब आप बेहद आसानी से अपने स्मार्टफोन से भी सोने में निवेश कर सकते हैं। आपको इसके लिए ज्यादा रुपये खर्च करने की भी जरूरत नहीं है। आप अपनी सुविधा के हिसाब से जब चाहें गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। गूगल पे, पेटीएम, फोनपे और अमेजन पे जैसे कई प्लेटफार्म उपलब्ध हैं। डिजिटल गोल्ड खरीदने के कई फायदे हैं।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सोने में निवेश का एक विकल्प सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे सरकार समय-समय पर जारी करती है। इसका मूल्य रुपये या डॉलर में नहीं होता है, बल्कि सोने के वजन में होता है। अगर बॉन्ड एक ग्राम सोने का है, तो एक ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50% का निश्चित ब्याज मिलता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश के लिए भी डीमैट अकाउंट जरूरी होता है।

बाढ़ में कार डैमेज हो जाए तो क्या मिलता है इंश्योरेंस कवर

अगर आपकी कार बाढ़ में डैमेज हो जाए तो इंश्योरेंस कंपनी को उनके कस्टमर हेल्प नंबर पर संपर्क करके या उनकी वेबसाइट पर जाकर डैमेज कार की जानकारी दें। फिर कंपनी डैमेज का आकलन कर आगे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाती हैं।

बीमा की बात
बिजनेस डेस्क

देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून आ चुका है। कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। ऐसे में आप बाढ़ में कार के बहने और डूबने की खबरें देखते हैं। हाल ही में हरिद्वार में एक सूखी नदी में बाढ़ के कारण कई कारें बह गई थी, पहाड़ी इलाकों में कई जगह भूस्खलन के कारण कारों को नुकसान पहुंचा है। लेकिन क्या आपने यह सोचा है कि जब ये कारें बाढ़ में बहकर डैमेज हो जाती हैं तो क्या इस स्थिति में कार इंश्योरेंस कवर मिलता है? जानकारों का कहना है कि बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज आपके द्वारा चुनी गई कार बीमा पॉलिसी के प्रकार पर निर्भर करता है। अगर आपने व्यापक कार पॉलिसी चुनी है, तो आप बाढ़ से होने वाले नुकसान या अपने वाहन को होने वाले नुकसान से सुरक्षित रहेंगे। आइए इस रिपोर्ट में हम उन बातों पर चर्चा करते हैं जो आपको अपनी कार के लिए बाढ़ बीमा, व्यापक कार बीमा लाभों और बाढ़ के नुकसान की स्थिति में कार बीमा दावा दायर करने के तरीके के बारे में जानने की ज़रूरत है।

बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज की सीमा आपकी पॉलिसी के विशिष्ट विवरण के आधार पर अलग-अलग हो सकती है, इसलिए विस्तृत जानकारी के लिए पॉलिसी दस्तावेज़ों की समीक्षा करना या अपने बीमा प्रदाता से परामर्श करना महत्वपूर्ण है। बाढ़ से होने वाले नुकसान को समझना बेहद जरूरी है। बारिश से होने वाले नुकसान की गंभीरता तभी स्पष्ट होती है जब आप अपने वाहन को मैकेनिक के पास ले जाते हैं। जब वे मरम्मत की लिस्ट देते हैं, तो परिणामस्वरूप वित्तीय भार भारी हो सकता है।

बाढ़ से कार को होने वाले नुकसान

इंजन डैमेज

जब पानी कार के इंजन में चला जाता है, तो इससे कार के आंतरिक हिस्सों को आंशिक या संपूर्ण क्षति हो सकती है। इससे आपकी कार बेकार हो सकती है।

गियरबॉक्स डैमेज

जब पानी गियरबॉक्स में प्रवेश करता है, तो यह उपकरण को खराब कर सकता है या पूरी तरह से बेकार बना सकता है। यह आपकी परेशानी बढ़ाने वाला हो सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक फ़ंक्शन

जब बाढ़ के दौरान पानी कार में घुस जाता है, तो इससे इलेक्ट्रॉनिक्स में शॉर्ट सर्किट हो सकता है और डैशबोर्ड अलर्ट लाइट की संभावित विफलता हो सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस को पानी बहुत जल्दी और भारी नुकसान पहुंचाता है।

इंटीरियर को नुकसान

पानी के आक्रमण के परिणामस्वरूप इंटीरियर बर्बाद हो सकता है। इसमें कार्पेट, सीटें और दूसरे नरम सामान शामिल हैं। इससे आपकी गाड़ी पूरी रूह बिगड़ सकती है। अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए।

कौन सी कार पॉलिसी बेहतर

व्यापक कार बीमा बाढ़ से संबंधित कवरेज प्रदान करता है। भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं कभी भी हो सकती हैं और उनकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है। इसलिए, अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए। इससे आपको आसानी से डैमेज कार का इंश्योरेंस मिल सकेगा।

कवरेज के निम्न तरीके

इंजन सुरक्षा कवरेज

कार का इंजन बाढ़ के पानी के घुसने से क्षतिग्रस्त हो जाता है। व्यापक बीमा इंजन क्षति को कवर नहीं करता है। हालांकि, यह इंजन की मरम्मत या रिप्लेसमेंट के लिए वित्तीय कवरेज प्रदान करता है। इसलिए बीमा करवाते समय यह ध्यान रखने की बातें हैं।

शून्य मूल्यह्रास कवरेज

कार के पुर्जे समय के साथ घिसाव और टूट-फूट के कारण स्वाभाविक रूप से खराब हो जाते हैं, जिससे वाहन के मूल्य में कमी आती है, जिसे मूल्यह्रास कहा जाता है। क्लेम करते समय, मानक बीमा क्षतिग्रस्त पुर्जों के मूल्यह्रास मूल्य को कवर करता है। हालांकि, शून्य मूल्यह्रास कवरेज के साथ, बीमा मूल्यह्रास को ध्यान में रखे बिना मरम्मत के लिए पूरी राशि का भुगतान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि कार की मरम्मत की कुल लागत को कवर किया जाए।

चाबी बदलने का कवर

आधुनिक कार की चाबियां ठीक करना या बदलना जटिल और महंगा है। अगर बाढ़ के चलते आपकी कार की चाबी या लॉकसेट डैमेज हो जाता है, तो यह कवरेज लॉकसेट को बदलने या मरम्मत करने की लागत को कवर करेगा।

उपभोज्य कवर

बेस प्लान लुब्रिकेंट, गियरबॉक्स और इंजन ऑयल, नट और बोल्ट, ग्रीस इत्यादि जैसी उपभोग्य वस्तुओं को बदलने के खर्च को कवर नहीं करता है। हालांकि, इस ऐड-ऑन के साथ, आप किसी दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा, जैसे बाढ़ के बाद होने वाले उपभोग्य खर्चों के लिए कवर किए जाते हैं।

खबर संक्षेप

कनीना। बैठक में हिस्सा लेते पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन की बैठक कल

कनीना। ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन कर्मचारियों की बैठक जल घर प्रांगण में हुई। जिसकी अध्यक्षता यूनियन के प्रधान भेदपाल ने की। उन्होंने कर्मचारियों की लंबित मागों पर फोकस किया। इसके बाद यूनियन के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पूनिया ने कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी के आह्वान पर आगामी आठ जुलाई को मंडल कार्यालय नारनौल में यूनियन की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। सुबह 10 बजे होने वाली इस बैठक में कर्मचारियों की लंबित मागों सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

नारनौल। पौधरोपण करते रोटरी क्लब के सदस्य व विद्यार्थी।

रोटरी क्लब ने चलाई पौधरोपण मुहीम

नारनौल। रोटरी क्लब सिटी एवं बेलाज की ओर से शनिवार को पौधारोपण अभियान की शुरूआत की गई। रोटरी क्लब की ओर से पुरानी मंडी स्थित केएलपी स्कूल में पौधारोपण कर विद्यार्थियों को भी पौधे वितरित किए गए। पौधारोपण अभियान में रजनीश यादव मुख्य अतिथि रहे। वहीं रोटरी क्लब बेलाज की महिलाओं ने भी मोहल्ला चौधरियान स्थित हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पौधारोपण कर मुहीम को आगे बढ़ाया। प्रोजेक्ट इंचार्ज डा. उषा यादव, रेनू मित्तल, सुचेता गोगिया व मुकेश देवी ने सभी साथियों से पौधे लगवाए।

नांगल चौधरी। गुरुकुलम स्कूल में पौधे वितरित करते शिक्षक।

फलदार पौधे वितरित कर देखभाल की दिलाई शपथ

नांगल चौधरी। गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चेयरमैन अभय सिंह गुर्जर की अगुवाई में एक हजार विद्यार्थियों को फलदार पौधे वितरित किए गए। साथ ही पौधारोपण की टिप्स देकर देखभाल करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता में संस्था के निदेशक राजपाल यादव ने की। उन्होंने कहा कि प्रकृति का श्रृंगार पौधे होते हैं, पर्यावरण की स्वच्छता पौधों से संभव है।

हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना से नागरिक हो रहे हैप्पी

64041 लोगों ने किया हैप्पी कार्ड के लिए आवेदन, 22038 को मिले

■ जिन लाभार्थियों को हैप्पी कार्ड का एसएमएस मिला है वे जल्द प्राप्त करें अपना कार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) जिले में शुरूआत से ही लोकप्रिय हो रही है। जिले में अब तक 22038 नागरिकों ने नारनौल बस स्टैंड से अपने हैप्पी कार्ड प्राप्त किए। जिन लाभार्थियों के मोबाइल फोन पर विभाग से एसएमएस आ चुका है वे जल्द अपना हैप्पी कार्ड प्राप्त कर लें।

नागरिक इस दौरान अपना मोबाइल साथ लेकर आएं, ताकि ओटीपी प्राप्त किया जा सकें। लोगों की सहुलियत के लिए इस कार्य के लिए शनिवार व रविवार को भी बूथ खुले हुए हैं। यह जानकारी देते हुए नारनौल डिपो के जीएम अनित यादव ने बताया कि हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) के लिए परिवहन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। ऑनलाइन आवेदन के बाद विभाग की ओर से पात्र नागरिक के पास एसएमएस जाएगा। एसएमएस जाते ही वे नागरिक तुरंत नारनौल बस स्टैंड पर इस कार्य के लिए बनाए गए बूथ पर जाकर अपना हैप्पी कार्ड ग्रहण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में अब तक 64041 नागरिकों ने हैप्पी कार्ड के लिए आनलाइन आवेदन किया है। अभी तक जिला में लगभग 22038 नागरिकों को हैप्पी योजना के कार्ड दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की योजना अनुसार हैप्पी कार्ड धारक को 1000 किलोमीटर प्रति वर्ष हरियाणा रोडवेज की बसों में मुफ्त सफर करने का मौका मिलेगा। लाभार्थियों को हरियाणा रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा करने के लिए ई-टिकटिंग प्रणाली से जुड़ा एक स्मार्ट कार्ड जारी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष एक हजार किलोमीटर तक मुफ्त में हरियाणा रोडवेज की बस में सफर करने की सुविधा मिल रही है, जो पात्र परिवार इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं वे जल्द से जल्द इस कार्ड के लिए परिवहन विभाग की साइट पर आवेदन करें। इसके अलावा बस स्टैंड पर भी कार्ड जारी करने के लिए बूथ स्थापित किए गए हैं।

नारनौल। बस स्टैंड पर लगे बूथ से हैप्पी कार्ड प्राप्त करते पात्र नागरिक।

किड्जी स्कूल में पर्यावरण सप्ताह पर बच्चों को दिया संदेश

महेंद्रगढ़। सिटी किड्जी वर्ल्ड स्कूल में मनाए जा रहे पर्यावरण सप्ताह पर विद्यार्थियों को जीवन में प्लास्टिक से बनी थैलियों को प्रयोग में नहीं लाने का संदेश दिया, वहीं प्लास्टिक से होने वाले नुकसान से अवगत करवाया। प्राचार्या विनय यादव ने बताया कि आज प्लास्टिक के निरर्थक प्रयोग से मानव जीवन सुरक्षित नहीं है। विद्यार्थियों ने शपथ लेते हुए कहा कि हम अपने जीवन में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। इस दौरान विद्यार्थियों को प्लास्टिक के पुनर्चक्रण से बनी विभिन्न थैलियों से अवगत करवाया गया तथा बताया कि रंगीन थैलियां विशेष रूप से घातक हैं, जो रंग छोड़ती हैं तथा कैंसर जैसी बीमारियों को जन्म देती हैं। मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन यादव ने बताया कि हम प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग करके अपनी आने वाली पीढ़ियों को प्रदूषित वातावरण में रहने के लिए विवश कर रहे हैं। प्लास्टिक रसायन जन्म दोष से लेकर कैंसर तक के विकार पैदा कर सकते हैं, साथ ही तंत्रिका तंत्र और प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचा सकते हैं तथा रक्त और गुर्दे को प्रभावित करते हैं। चेयरमैन विजय सिंह यादव ने सभी विद्यार्थियों को अपने-अपने जन्म दिवस पर पेड़-पौधे लगाने का संदेश दिया। पेड़ हमारे जीवन में ऑक्सीजन देने के साथ-साथ हमारे पर्यावरण की रक्षा करते हैं। हम पौधारोपण करने से गर्मी की समस्या से बच सकते हैं।

महेंद्रगढ़। बनाई हुई पेंटिंग दिखाते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा स्कूल में किया पौधरोपण

नारनौल। मोहल्ला चौधरीयान स्थित हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के तहत विद्यालय प्रबंधन, स्टाफ व छात्र-छात्राओं ने विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया और साथ ही इन नवरोपित पौधों की देखभाल का संकल्प भी लिया। विद्यालय चेयरमैन हितेंद्र शर्मा व निदेशिका संगीता शर्मा ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी को साफ और शुद्ध हवा देना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए यह हमारा फर्ज बनता है कि हम अपने आस-पास हरियाली रखे। उन्होंने कहा कि हरियाली को बढ़ाने के लिए पौधारोपण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। हर विद्यार्थी अपने जीवन में एक पौधा अवश्य लगाएं, क्योंकि पौधे हमें फल, फूल, लकड़ी देने के साथ-साथ पर्यावरण को संतुलित रखते है, पेड़ों की वजह से ही बारिश होती है, हमें पानी मिलता है। ग्लोबल वार्मिंग पर रोक लगाने के लिए पेड़ लगाना जरूरी है। प्रधानाचार्य अवनीश कुमार ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया किया कि वे केवल पौधारोपण ही नहीं करेंगे बल्कि इनकी देखभाल का जिम्मा भी लेंगे। विद्यार्थी जिस दिन पौधा लगाए उस पौधे को कोई नाम दे, किसी महापुरुष या परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अपने पौधे का नाम रख सकते है। उस पौधे का पालन-पोषण तथा संरक्षण करें। इस मौके पर रामनिवास डीपीई, संजय कुमार, अशोक कुमार, नरेश कुमार, मनमोहन, लक्ष्मी चौहान, वंदना सैनी, अल्पना शर्मा आदि मौजूद थे।

नारनौल। पौधरोपण करते हरियाणा स्कूल के विद्यार्थी व स्टाफ।

सांस्कृतिक अहीरवाल की कौर ग्रुप बैठक 21 को: सत्यव्रत शास्त्री

नारनौल। सांस्कृतिक अहीरवाल की कौर ग्रुप की बैठक निजी होटल में 21 जुलाई को आयोजित की जाएगी। इस विषय की जानकारी देते हुए सांस्कृतिक अहीरवाल के मीडिया प्रभारी सुभाष बोहरा ने बताया सांस्कृतिक अहीरवाल की कौर ग्रुप की यह तीसरी बैठक होगी। इससे पहले बहरोड़ व रेवाड़ी में बैठक आयोजित की जा चुकी है। सांस्कृतिक अहीरवाल के शहर स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में यह निर्णय किया गया। इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए सांस्कृतिक अहीरवाल के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री ने बताया कि संपूर्ण अहीरवाल, जिसमें दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान के क्षेत्र शामिल हैं। वर्तमान में इसमें आठ जिले सम्मिलित हैं। आठ जिलों के 42 खंड इकाई है, सभी इकाइयों के कौर ग्रुप के सदस्यों को इस बैठक में आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में तय किया गया कि कौर ग्रुप की बैठक 21 जुलाई 11 बजे से तीन बजे तक आयोजित की जाएगी। इसमें पिछले लंबे समय से किए गए कार्य की समीक्षा व आगामी समय के लिए योजना बनाई जाएगी। इस मौके पर बैठक में संस्था के प्रचार प्रमुख सतीश यादव खेड़ा, भाग प्रमुख प्रदीप यादव सराय, नरेश यादव आकोदा, सांवत सिंह यादव गोद, रामसिंह मधुर, राजेश शास्त्री, कैप्टन रामकिशन यादव शहरपुर, ओंकार सिंह सरपंच खेड़ा मौजूद थे।

नारनौल। बैठक में सत्यव्रत शास्त्री व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बीएससी ऑनर्स फिजिक्स की छात्रा मानसी बालवान ने टॉप-10 में स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा बीएससी फिजिक्स ऑनर्स के चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इस परीक्षा परिणाम में फिजिक्स ऑनर्स की छात्रा मानसी बालवान पुत्री प्रवीण बालवान ने 89.5 प्रतिशत अंक लेकर विश्वविद्यालय के टॉप-10 सूची में छठे स्थान पर कब्जा किया। इसी प्रकार कॉलेज स्तर पर अलका ने 85.3 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा स्थान, अनु ने 83 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा, निकिता ने 80.4 प्रतिशत अंक लेकर चौथा स्थान हासिल किया। इस प्रकार इन विद्यार्थियों ने न केवल अपना नाम रोशन किया, बल्कि साथ ही अपने माता-पिता व यदुवंशी डिग्री कॉलेज का नाम भी रोशन किया। मानसी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कॉलेज के अध्यापकों, अपने माता-पिता व दादा शिक्षाविद्व व साहित्यकार प्रताप शास्त्री, दादी को दिया हैं। संस्था अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने बताया कि फिजिक्स ऑनर्स में 89.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करना बहुत बड़ी उपलब्धि है, जो विद्यार्थियों व अध्यापकों की मेहनत के साथ-साथ अभिभावकों के सकारात्मक योगदान से ही हासिल किया जा सकता है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट करण सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव ने भी विद्यार्थियों को बधाई देकर उनका हौसला बढ़ाया। डायरेक्टर राजेंद्र यादव ने बताया कि विभिन्न परीक्षा परिणाम में यदुवंशी के विद्यार्थियों ने न केवल क्षेत्र में, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय की टॉप-10 मेरिट लिस्ट में छाए रहते हैं। निदेशक विजय सिंह यादव ने बताया कि फिजिक्स ऑनर्स के विद्यार्थी शोध, शिक्षा, प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में करियर पथ अपना सकते हैं, ये सहायक वैज्ञानिक, वरिष्ठ वैज्ञानिकों को डेटा का विश्लेषण करने, सिद्धांत विकसित करने और नई चीजों के साथ-साथ प्रयोग करने में मदद करते हैं। डॉ. प्रदीप यादव व कॉलेज प्राचार्य बबरूभान, फिजिक्स ऑनर्स के विभागाध्यक्ष के साथ-साथ समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

यदुवंशी में हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में बालवर्ग कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी कविता एवं साहित्य के प्रति रूचि वर्धन करना है। कार्यक्रम में यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन राव बहादुर सिंह मुख्यातिथि, डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह, वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव विशिष्ट अतिथि तथा निदेशक विजय सिंह यादव ने अध्यक्ष के रूप में शिरकत की। प्रतियोगिता में कक्षा छठी से काव्या ने प्रथम, राधिका ने द्वितीय तथा खुशी एवं दिव्या ने संयुक्त रूप से तृतीय, कक्षा सातवीं से तेजस्वी ने प्रथम, तान्य ने द्वितीय तथा गीतिका ने तृतीय, वहीं कक्षा आठवीं से सारिका एवं मन्नत ने प्रथम, एकता और मानवी ने द्वितीय तथा राधिका एवं दिव्या ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। निदेशक विजय सिंह यादव ने कहा कि कविता का संबंध गान से है जो सभी नकारात्मक विचारों को हटाकर विद्यार्थियों की एकाग्र शक्ति को बढ़ाने का भी कार्य करता है। यदुवंशी ग्रुप डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि हिन्दी हमारे स्वाभिमान की भाषा है, जिसमें रचित रचनाएं हमें एकता के सूत्र में पिरोती हैं।

वाइस चेयरमैन एडवाकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव ने विद्यार्थियों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि कविता भावनाओं को संप्रेषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगिताओं में भी भाग लेना चाहिए, जिसमें मानसिक, तार्किक एवं बौद्धिक शक्ति का विकास हो सके। इस अवसर पर प्राचार्य पवन यादव, हैड अरविंद्र यादव, नरेंद्र यादव, सुंदर सुहाग, नवीन स्वामी, निशा यादव सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस सरकार बनने पर किसानों को फसलों का मिलेगा पूरा भाव, रोजगार के बढ़ेंगे विकल्पः गोपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

बनिहाड़ी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक वरिष्ठ नेता सत्यपाल दहिया की अध्यक्षता में हुई। जिसमें एआईसीसी सदस्य गोपाल सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठित होकर चुनावी तैयारी करने के टिप्स दिए। कहा कि प्रदेश में चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में कांग्रेस सरकार बनेगी। इसके बाद किसानों को फसलों का पूरा भाव मिलना सुनिश्चित हो पाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक राजनीतिक दल है। जिसमें कर्मचारी, किसान, व्यापारी, मजदूर वर्ग की समस्याओं को सुना और समाधान किया जाता है। पंचायतों को मजबूत करने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने बिल पास किया था। जिससे पंचायतों को केंद्र सरकार से सीधी ग्रांट मिलने लगी हैं, लेकिन भाजपा सरकार की नीतियों से पंचायत प्रतिनिधि अपमानित महसूस कर रहे हैं। टैंडर प्रणाली खत्म करने की मांग पर सरकार ने सरपंचों की पिटाई करवा दी। पंचकूला में कर्मचारियों लाठी-डंडे बरसाए गए है। इतना ही नहीं, निहत्थे किसानों पर वाटर कैनन, लाठी व गोलिया बरसाई गई हैं। उन्होंने कहा कि अक्टूबर महीने में विधानसभा के चुनाव होने हैं। शुक्रवार को 12 गांवों के एक जोन की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान सैकड़ों ग्रामीणों ने सत्यपाल दहिया की अगुवाई में कांग्रेस ज्वाइन की। इस मौके पर चिरंजीलाल जेलदार, किशोरीलाल रावत, महाराम रावत, प्रकाश छावड़ी, ओमप्रकाश, महावीर शर्मा, अनूप योगी, कैलाश गुर्जर, भैरूराम, डा. मुरारीलाल, धनपत यादव, राकेश कुमार, बलबीर रावत, कैलाश जांगिड़, दयानंद, काशीराम, निहाल सिंह सरपंच आदि मौजूद थे।

नारनौल। पत्रकारों से बातचीत करते प्रदीप यादव। फोटो : हरिभूमि

खानपुर से आज शुरू होगी नारनौल जोड़ो संकल्प यात्रा : प्रदीप यादव

■ यात्रा सात जुलाई को उनके पैतृक गांव खानपुर से सुबह 7 :30 बजे शुरू होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कांग्रेसी नेता प्रदीप यादव एडवोकेट ने शनिवार पत्रकारवार्ता कर कहा कि नारनौल के गौरव, सम्मान एवं स्वाभिमान के लिए वे सात जुलाई रविवार से नारनौल जोड़ो संकल्प यात्रा शुरू करेंगे। यह यात्रा नारनौल के सभी बड़े गांव में जाएगी। इसकी शुरुआत गांव खानपुर से होगी। उन्होंने ने कहा कि यह यात्रा सात जुलाई को उनके पैतृक गांव खानपुर से सुबह 7:30 बजे शुरू होगी। इसके बाद यह गांव ढाणी मामराज, कांवी, ढाणी बठोठा, मांदी, जोरासी, कारोता, नांगल शालू, कोजिंदा, मंढाणा, सेका, भूषण खुर्द, भूषण कला व शोभापुर होते हुए आगे जाएगी। उन्होंने बताया कि वे पिछले 25 साल से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए हैं तथा कांग्रेस पार्टी के सच्चे सिपाही हैं। इसलिए इन चुनाव में वे नारनौल से कांग्रेस के टिकट पर दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनको टिकट मिलती है तो वे नारनौल की सूरत बदल देंगे। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश टिकट नहीं मिल पाती है तो वह कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी का समर्थन करेंगे तथा उसके लिए वोट मांगेंगे। प्रदेश में मौजूद भाजपा सरकार से हर वर्ग दुखी है तथा जनता इससे पीछा छुड़ाना चाह रही है। मौके पर उनके साथ संदीप नूनीवाल व अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यदुवंशी कॉलेज की छात्रा प्रिया ने किया टॉप

नारनौल। हाल ही में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की ओर से बीएससी के दूसरे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। हर बार की तरह इस बार भी यदुवंशी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने बहुत ही बेहतरीन परिणाम दिया। कॉलेज की छात्रा प्रिया पुत्री कुलदीप सिंह ने 85.09 प्रतिशत अंक के साथ विश्वविद्यालय में छठा स्थान हासिल किया। वहीं अनामिका यादव पुत्री विक्रम सिंह ने 85.09 प्रतिशत अंक लेकर विश्वविद्यालय में सातवां, अंतिमा पुत्री जसवंत यादव ने 84.0 प्रतिशत अंक लेकर विश्वविद्यालय में आठवां, मेघा कुमारी पुत्री मनोज कुमार ने 83.09 प्रतिशत अंक लेकर विश्वविद्यालय में नौवां, याशिका यादव पुत्री भोपाल सिंह ने 83.09 प्रतिशत अंक लेकर विश्वविद्यालय में दसवां स्थान हासिल किया। कॉलेज उपप्राचार्या डा. सोनल यादव ने बताया कि कॉलेज का परिणाम शत-प्रतिशत रहा है व आगे भी इसी तरह के परिणामों के लिए हम निरंतर प्रयास करते रहेंगे। इस उपलक्ष्य में यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी। इस अवसर पर डायरेक्टर सुरेश यादव, डा. प्रदीप यादव, प्रिंसिपल बजरंग लाल ने विद्यार्थियों का हौंसला बढ़ाया।

विद्या भारती की छात्रा पलक का नवोदय में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर की छात्रा पलक पुत्री हिम्मत सिंह पवेरा का कक्षा छठी में नवोदय विद्यालय की ओर से जारी द्वितीय सूची में चयन हुआ है। विद्यालय की वाइस चेयरपर्सन डा. उषा यादव ने पलक का फूलमाला पहनाकर सम्मान किया। विद्यालय के प्राचार्य विनोद कुमार ने बताया कि विद्यालय के छात्रों का पूर्व में भी नीट, जेईई, नवोदय, सैनिक स्कूल आदि चयन होता रहा है। विद्यालय की ओर से सैनिक स्कूल, मिलिट्री स्कूल व नवोदय विद्यालय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों की अलग से कक्षाएं लगाई जाती है। जिसके परिणामस्वरूप बच्चों का चयन होता है। विद्यालय के चेयरमैन राजकुमार यादव, वाइस चेयरपर्सन डा. उषा यादव, निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव व प्राचार्य विनोद कुमार ने इस परिणाम के लिए छात्रों व अध्यापकों के कठिन परिश्रम की सराहना की व छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर संस्था की प्रबंधक डा. रविंद्रा यादव, उपप्राचार्य आरडी सिंह, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय आदि मौजूद थे।

नारनौल। छात्रा पलक को सम्मानित करता स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

दुलोठ अहीर गांव में चलाया पौधरोपण अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

अटल भूजल योजना के तहत दुलोठ अहीर में देवेंद्र सरपंच की अध्यक्षता में पौधारोपण किया गया। अटल भूजल योजना के प्रोजेक्ट मैनेजर अविनाश पतंगे ने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले के पांच ब्लॉकों में टीम द्वारा पौधारोपण किया जाएगा। अविनाश पतंगे ने बताया कि पेड़ ऑक्सीजन प्रदान करके, वायु की गुणवत्ता में सुधार करके, जलवायु सुधार करके, जल संरक्षण करके, मिट्टी को संरक्षित करके और वन्य जीवन का समर्थन करके अपने पर्यावरण में योगदान देते हैं। बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण धरती पर प्राणी जगत के लिए खतरा है। ऐसे में हम सब को मिलकर बरसात के सीजन में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। कर्मपाल यादव और कर्मवीर ने बताया कि पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है, जो हमें ऑक्सीजन के साथ-साथ ठंडी छाया व फल देते हैं। पेड़-पौधे वातावरण को हराभरा रखने में सहायक साबित होते है। आज पेड़-पौधों के कम होने के कारण ग्लोबल वार्मिंग की समस्या खड़ी हो गई है। हमें खाली पड़ी अपनी भूमि पर अधिक से अधिक पौधे लगाकर वातावरण को बनाए रखने में अपना सहयोग करना चाहिए। भारतीय संस्कृति में पेड़-पौधों को पूजा जाता है। विभिन्न वृक्षों में विभिन्न देवताओं का वास माना जाता है। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

महेंद्रगढ़। गांव में पौधारोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कनीना। विद्यार्थियों को पौधे वितरित करते हुए।

एसडी स्कूल में विद्यार्थियों को किए पौधे वितरित

कनीना। एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने अपने छात्रों के बीच पर्यावरण मित्रता व पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्कूल के चेयरमैन जगदेव यादव ने सुबह की सभा के दौरान छात्रों को पौधे वितरित किए और उन्हें एक एक पौधा गोद लेने तथा उसकी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण के प्रति पोषण और जिम्मेदारी का महत्व सिखाना है। चेयरमैन ने छात्रों को पर्यावरण अनुकूल नागरिक बनने व बड़ा बदलाव लाने की दिशा में छोटे-छोटे कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। सभा के दौरान छात्रों ने अपने साथी छात्रों को पौधारोपण व अच्छे संस्कार के महत्व पर संबोधित किया। उन्होंने पर्यावरण की रक्षा करने और दैनिक जीवन में अच्छे शिष्टाचार अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

खबर संक्षेप

नारनौल। गाय को नहर से निकालते गौसेवक। फोटो : हरिभूमि

गौसेवकों ने नहर से निकालकर बचाई गाय की जान

नारनौल। एक गाय शनिवार सुबह फैजाबाद व नांगलिया के बीच नहर में फिसल कर गिर गई। जिसकी सूचना फोन से बस में सवार होकर अपनी दुकान सिहमा में जा रहे खेमचंद शर्मा ने गौसेवक सुनील यादव, राकेश यादव चेयरमैन यूएसएल ऐकडमी को दी। जिस पर दोनों सूचना गांव व गौरक्षा दल नारनौल, आकाश यादव प्रधान अनाथ गौशाला को सूचित किया।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत 13 को करेंगे गांवों का दौरा

कनीना। मई माह में हुए लोकसभा चुनाव में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा चुनाव क्षेत्र से चौधरी धर्मवीर सिंह के विजयी होने पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह 13 जुलाई को अटेली हलके के गांवों में धन्यवादी दौरे पर रहेंगे। इस दौरान उनके साथ सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह भी रहेंगे। केंद्रीय मंत्री 13 जुलाई को सुबह 10 बजे कनीना सब डिवीजन के गांव सेहलंग में पहुंचेंगे। उनके आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर बैठक लेकर जिम्मेवारियां सौंपी गई हैं। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विजय सिंह ने कहा कि कनीना खंड के सरपंच, पंच, नम्बरदार, जिला पार्षद, चेयरमैन सहित प्रबुधजनों ने हिस्सा लिया।

नूनी अव्वल में भंडारा आज

नारनौल। श्री ठाकुरजी सेवा समिति व ग्राम वासी नूनी अव्वल की ओर से श्री ठाकुर जी महाराज के मंदिर में श्री ठाकुरजी महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन सात जुलाई को किया जाएगा। इस अवसर पर प्रातः सात बजे कलश यात्रा, सवा आठ बजे हवन, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा सवा नौ बजे व भंडारा सवा 11 बजे से प्रभु इच्छा तक किया जाएगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

सतनाली मंडी। भारतीय जन संघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर सतनाली में अंत्योदय के विचार पर सशक्त महिला समर्थ महिला कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कैलाश पाली ने बताया डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक व इसके पहले अध्यक्ष थे। उनके जीवन का हर क्षण राष्ट्र और लोक कल्याण के लिए समर्पित रहा। डा. मुखर्जी ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 को खत्म करने की शुरूआत की थी। और उनके अधूरे सपनों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया।

क्षेत्र का औद्योगिकरण करने पर रहेगी मेरी प्राथमिकता : चौधरी धर्मवीर

सांसद बोले...सतनाली को उपमंडल बना महेंद्रगढ़ और नारनौल बन सकते हैं दो अलग-अलग जिले, करेंगे प्रयास

- अगले 5 वर्ष महेंद्रगढ़ जिले को पूरी तरह विकसित करने पर समर्पित रहूंगा : चौधरी धर्मवीर
- रमेश राव पायलट के नेतृत्व में हरियाणा यादव महासभा व सर्व समाज ने किया सांसद चौधरी धर्मवीर का स्वागत एवं नागरिक अभिनंदन

महेंद्रगढ़। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह का मामला पहनाकर स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- हरियाणा यादव महासभा व सर्व समाज ने सांसद धर्मवीर सिंह का किया नागरिक अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ

राव तुलाराम चौक स्थित पाल पैलेस में शुक्रवार की रात को हरियाणा यादव महासभा व सर्व समाज महेंद्रगढ़ ने महेंद्रगढ़ भिवानी लोकसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार बने सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह का नागरिक अभिनंदन एवं स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि वह भिवानी व दादरी जिलों को मिलकर साढ़े तीन हजार वोट हार कर आया, लेकिन महेंद्रगढ़ जिले ने उसे 45000 वोटों से जीता कर सांसद बनाया है। महेंद्रगढ़ जिले की जनता का अहसान अगले पांच वर्ष इस क्षेत्र को पूर्ण विकसित करने में लगाकर उतारेंगे। इस क्षेत्र में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए और दिल्ली से सीधी कनेक्टिविटी करने के लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने अगला चुनाव न लड़ने की बात को दोहराते हुए कहा कि अगले चुनाव तक उम्र 74 वर्ष हो जाएगी और वह चाहते है कि आने वाले वक्त में नई पीढ़ी को मौका मिले। वह चुनावी राजनीति न कर सार्वजनिक जीवन में जनता की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने जिला मुख्यालय की मांग को लेकर कहा कि सतनाली को उपमंडल बनाकर महेंद्रगढ़ और नारनौल दो अलग-अलग जिले बनाए जा सकते हैं। इसके लिए वह पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने अहीर रेजीमेंट की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि वह जल्दी ही राव इंद्रजीत सिंह से मिलकर इस मांग को सिरे चढ़ाने की पूरी कोशिश करेंगे। इससे पूर्व हरियाणा यादव महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश राव पायलट ने सांसद का स्वागत करते हुए कहा कि सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह की विजय जातिवाद को ठुकराकर राष्ट्रवाद एवं अहीरवाल क्षेत्र के हकों की जीत है। उन्होंने सांसद धर्मवीर सिंह के सामने महेंद्रगढ़ की प्रमुख मांगे शहर का बाईपास, आईएमटी का निर्माण, केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज की शुरूआत कराने, शहर की समस्याओं का निराकरण करने, महेंद्रगढ़ को जिला मुख्यालय व नारनौल को नए जिले का नाम देने, अहीर रेजीमेंट के निर्माण के लिए प्रयास समेत क्षेत्र की अनेक मांगे रखी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सतपाल इंजीनियर, रमेश बोहरा एडवोकेट, रामाअवतार खैरवाल, बहादुर सिंह थानेदार, धर्मवीर झूक, संजय राव रिवासा, डॉ. प्रेमराज यादव, विजेश यादव, बार एसोसिएशन के प्रधान राजीव यादव, जिला पार्षद देवेंद्र यादव, संतोष पीटीआई, निर्मला तंवर, ब्राह्मण सभा प्रधान दिनेश वैद, यादव सभा के अध्यक्ष अभयसिंह यादव, बीडीसी मेंबर भंवरसिंह, राजू शर्मा, सुधीर दीवान, जिला महामंत्री अमित मिश्रा, दिनेश यादव, विवेक खैरवाल, वीरेंद्र पालड़ी, कुलदीप शर्मा सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नायब सिंह सैनी स्वयं अधिकारियों से ले रहे हैं रिपोर्ट

किसानों को आईएमटी की जमीन का दिया जाएगा उचित मूल्यः पूर्व शिक्षामंत्री

- खुड़ाना में आईएमटी के कार्य की प्रगति को लेकर पीडब्ल्यूडी विश्रामगृह में एचएसआईआईडीसी के उच्च स्तरीय अधिकारियों की पूर्व मंत्री व स्थानीय प्रशासन के साथ हुई बैठक

अधिकारियों की बैठक लेते पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव खुडाना में आईएमटी के कार्य की प्रगति को लेकर स्थानीय पीडब्ल्यूडी विश्रामगृह में एचएसआईआईडीसी के चंडीगढ़ से आए उच्च स्तरीय अधिकारियों की एक बैठक हुई। बैठक में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो.रामबिलास शर्मा व स्थानीय एसडीएम संजीव गुप्ता मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि 24 फरवरी 2019 को पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गांव खुडाना में आईएमटी की आधारशिला रखी थी, जिसके लिए एक हजार एकड़ जमीन विभाग द्वारा अधिग्रहण कर ली गई है। सोमवार को एचएसआईआईडीसी विभाग के उच्च अधिकारी खुडाना गांव की राजपूत धर्मशाला में बैठेंगे। जमीन अधिग्रहण के लिए पोर्टल को खोल दिया गया है और आईएमटी के लिए जो भी औपचारिकत अधूरी रह रही है, उनको जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो किसान आईएमटी के लिए अपनी जमीन देना चाहेंगे उसको पोर्टल पर अपलोड कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आकोदा व खुडाना के किसानों की सभी मांगों को पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार युद्ध स्तर पर अब आईएमटी के कार्य को पूरा करना चाहती है। इसके लिए किसी तरह धन का अभाव नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसानों के साथ उन्हें आईएमटी को लेकर मुख्यमंत्री से बात करनी पड़ी तो वे चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि आईएमटी उनका व भाजपा कार्यकर्ताओं का ड्रीम प्रोजेक्ट है। आईएमटी का कार्य पूरा हो जाने के बाद महेंद्रगढ़ शहर की गिनती गुड़गांव व चंडीगढ़ जैसे अग्रणी शहरों में की जाएगी। यहां के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यहां के युवा आईएमटी बन जाने के बाद आत्मनिर्भर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं खुडाना में चल रहे आईएमटी के कार्य में रुचि ले रहे हैं और निरंतर अधिकारियों से कार्य की प्रगती रिपोर्ट ले रहे हैं, ताकि जल्द से जल्द आईएमटी के कार्य को पूरा किया जा सके। स्थानीय एसडीएम संजीव गुप्ता ने बताया कि स्थानीय प्रशासन गांव खुडाना के ग्रामीणों व एचएसआईआईडीसी के साथ तालमेल बनाकर आईएमटी के कार्य को जल्द से जल्द पूरा करेगा। एचएसआईआईडीसी के अधिकारी बबीता शर्मा व कुलदीप कादयान ने पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा को आईएमटी के कार्य को लेकर अब तक हुई प्रगती के बारे में विस्तार से बताया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एचएसआईडीसी विभाग की तरफ से ज्ञानवीर पूनिया, प्रदीप पूनिया, अशोक यादव, सतीश पटवारी, कंवर सिंह पटवारी, अमित पटवारी, खुडाना गांव के सरपंच प्रतिनिधि डॉ. नरेश कुमार, नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी, सुधीर दीवान, विष्णु तंवर, मंजू कौशिक, मलखान सिंह पूर्व सरपंच पाली, अमित भारद्वाज पाली, देवेंद्र यादव, मोतीलाल एडवोकेट, शकुंतला महाराज, सतवीर उर्फ भैरों, दिनेश यादव, विवेक यादव, कुलदीप शर्मा, जिला महामंत्री अमित मिश्रा व किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष पवन खैरवाल आदि मौजूद रहे।

नारनौल। पौधारोपण करते समिति सदस्य व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

हरित वसुंधरा आधार समिति ने ग्रामीणों के साथ मिलकर किया पौधरोपण

नारनौल। पिछले लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण के कार्य में जुटी हरित वसुंधरा आधार समिति ने प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान में शामिल होते हुए शनिवार को पटीकरा गांव में पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया। समिति के सदस्यों ने पटीकरा गांव के श्मशान में विभिन्न प्रजाति के 51 पौधे रोपित किए। इस पौधारोपण अभियान की शुरूआत आठ नंबर वार्ड के पार्षद योगेश यादव ने पहला पौधा लगाकर की। इसके बाद हरित वसुंधरा आधार समिति के सदस्यों ने कई घंटों मेहनत करके 51 पौधे लगाए। श्मशान में लगाए गए इन पौधों की निरंतर देखरेख की जिम्मेदारी पटीकरा के बाबा निहालचंद सेवा ग्रुप ने ली है। ग्रुप के स्वयंसेवकों ने कहा कि वे इन पौधों के पेड़ बनने तक इनकी देखरेख करेंगे।

रामबास के ग्रामीणों ने सरपंच पर लगाया पेड़ काटने का आरोप

कनीना। खंड के गांव रामबास में पंचायती भूमि पर खडे पेड़ों की कटाई करने पर ग्रामीणों ने पंचायत के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जिला वन राजिक अधिकारी को शिकायत भेजी है। ग्रामीण ने ग्राम सरपंच पर मंदिर परिसर व अनुसूचित जाति चौपाल में पेड़ों की कटाई करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने कहा कि गांव की सरपंच सरोज देवी ने जब से पंचायत का कार्यभार संभाला है तब से पैमाईश करवाकर पंचायती भूमि के रास्तों, मंदिर व चौपाल से अनेक पेड़ काट डाले हैं। ग्रामीणों वेदप्रकाश नमबरदार, राजेश चौधरी, सोमबीर, मंजीत, नरेंद्र सिंह, सुनील कुमार, सुमेर सिंह, सुरेश कुमार, प्रताप, रणबीर, सुनीता पंच, चेतराम, राजबीर, संतलाल, जयप्रकाश, रामफल, धर्मेंद्र ने सरंपच के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस बारे में ग्राम सरपंच सरोज देवी ने कहा कि उन पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। गांव के विकास को लेकर एक समान रूप से कार्य करवाए जा रहे हैं। उनकी ओर से रास्तों की पैमाईश करवाने के बाद वन विभाग से अनुमति लेकर पेड़ों को हटाया गया था।

पुलिस ने मंढाणा नाके पर वाहनों की डॉग स्क्वायड से कराई चैकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। चैकिंग अभियान चलाती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

डॉग स्क्वायड की टीम ने शनिवार को मंढाणा नाके पर थाना सदर पुलिस टीम व नाका पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर वाहनों को चेक किया। बता दें कि अवैध शराब का कारोबार करने वालों, नशा तस्करों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस की ओर से कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में टीम ने वाहनों की सघनता से चैकिंग की। इस दौरान कोई भी संदिग्ध पदार्थ नहीं मिला। वाहनों की डिग्गी खुलवाकर भी जांच की गई। जिससे जिले में नशा बेचने/तस्करी करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जा सकें। पुलिस कप्तान अर्श वर्मा ने बताया कि जिला पुलिस में एक डॉग स्क्वायड है, जिसको ट्रेनिंग दी गई है। जिससे पुलिस की ओर से लगातार नशीले पदाथारें को लेकर चैकिंग करवाई जा रही है। वाहनों की समय-समय पर डॉग स्क्वायड टीम की मदद से चैकिंग की जा रही है। एसपी ने बताया कि जिले के नाकों से गुजरने वाले वाहनों को डॉग स्क्वायड की टीम की ओर से चेक किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नौ को करेंगी प्रदर्शन

- आंगनबाड़ी कर्मियों को सरकार कर्मचारी का दर्जा दें तथा न्यूनतम वेतन लागू करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। आंगनबाड़ी वर्करों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन हरियाणा संबंधित स्कीम वर्कस फेडरेशन ऑफ इंडिया व एआईयूटीयूसी जिला कमेटी की ओर से राज्य प्रधान कृष्णा देवी के नेतृत्व में नौ जुलाई को लघु सचिवालय नारनौल में जिला स्तरीय प्रदर्शन में शामिल होने के लिए महेंद्रगढ़ सर्कल के मालड़ा, पाली सहित कई सर्किलों में संपर्क अभियान चलाया। इस दौरान जिला सचिव संतोष ढिल्लों, बलजीत, कृष्णा देवी, कमलेश व एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सूबे सिंह, मुकेश कुमार शामिल रहे। जिन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं से नौ जुलाई को लघु सचिवालय नारनौल पहुंचने की अपील की। जनसंपर्क अभियान के दौरान राज्य प्रधान कृष्णा देवी ने कहा कि नौ जुलाई को महिला एवं बाल विकास विभाग नारनौल कार्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा, जिसमें सरकार से यह मांग की जाएगी कि सरकार आंगनबाड़ी कर्मियों को अपना कर्मचारी माने, सरकार आंगनबाड़ी कर्मियों को सरकार कर्मचारी का दर्जा तो दूर श्रमिक का दर्जा भी नहीं दिया हैं। सरकार आंगनबाड़ी कर्मियों को सरकार कर्मचारी का दर्जा दें तथा न्यूनतम वेतन लागू करें, प्रधानमंत्री द्वारा 2018 में की गई वेतन बढ़ोतरी क्रमशः 1500 और 750 एरियर सहित लागू करने, राज्य स्तर पर खाली पड़े आंगनबाड़ी कर्मियों के 6000 पदों पर भर्ती करने, बिना शर्त पदोन्नति करने, हड़ताल के दौरान बर्खास्त 975 आंगनबाड़ी कर्मियों को टर्मिनेशन अवधि का वेतन देने, आवश्यकता अनुसार गांव व शहर में नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने जैसी मांगों को स्वीकार करने की पुरजोर मांग की जाएगी।

चौधरी बैजनाथ महिला महाविद्यालय में वन महोत्सव कार्यक्रम आयोजित

नांगल चौधरी। चौधरी बैजनाथ महिला महाविद्यालय में वन महोत्सव कार्यक्रम प्राचार्या डा. अनिता तंवर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें छात्राओं को पौधों की उपयोगिता से अवगत करवाने के बाद उन्हें पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन में पेड़ वरदान से कम नहीं। जीवन की दैनिक दिनचर्या पौधों पर ही निर्भर हैं, बावजूद लोग पौधों के संरक्षण को लेकर गंभीर नहीं। मामूली जरूरतें पूरी करने के लिए हरे पेड़ों की कटाई कर रहे हैं, जिससे पर्यावरण में जहरीली गैसों की मात्रा बढ़ गई। हरियाली घटने की वजह से प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया, अब सर्दी में अधिक सर्दी तथा गर्मियों में असहनीय गर्मी पड़ने लगी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

बैठक शहर के पार्षदों ने प्रधान रमेश सैनी के नेतृत्व में सांसद के समक्ष रखी शहर की विभिन्न समस्याएं

सांसद ने ली अधिकारियों की बैठक, अधिकारियों को दिए शहर के विकास कार्य शुरू कराने के निर्देश

- बैठक में नगरपालिका, जनस्वास्थ्य व बिजली निगम के अधिकारी रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नगर पालिका अधिकारियों व पार्षदों की बैठक लेते सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने शुक्रवार की रात को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान शहर के पार्षदों ने प्रधान रमेश सैनी के नेतृत्व में सांसद के समक्ष शहर की सभी समस्याएं रखी। सांसद ने पार्षदों की समस्याएं सुनने के बाद अधिकारियों को जल्द से जल्द शहर में विकास कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए।

प्रधान रमेश सैनी ने कहा कि नगर पालिका का गठन हुए दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन शहर में अभी तक विकास कार्य शुरू नहीं हुए। शहर में समस्याओं का अंबार लगा है। नगर पालिका की बैठक में काफी प्रस्ताव पास किए जा चुके हैं। लेकिन अभी किसी प्रस्ताव पर अमल नहीं किया गया। इसके बाद सांसद ने नगर पालिका के अधिकारियों को एक माह में विकास कार्य धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। बैठक में नगर पालिका, जनस्वास्थ्य व बिजली निगम के अधिकारी मौजूद रहें।

महेंद्रगढ को नगर परिषद बनाने की मांग की

ठक में शहर के पार्षदों ने महेंद्रगढ़ को नगर परिषद बनाने की मांग की। प्रधान रमेश सैनी ने कहा कि समय के साथ शहर की आबादी काफी बढ़ गई हैं। महेंद्रगढ में नगर पालिका होने के कारण बजट काफी कम आता हैं। वहीं आबादी के हिसाब बजट के अभाव में शहर में विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं। सांसद के अधिकारियों को रिपोर्ट बनाकर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा पार्षदों ने स्टेट 148 बी पर रिवासा फ्लाईओवर से कैंची मोड तक स्ट्रीट लाईट लगवाने, शहर में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए वाटर टैंक बनाने तथा देवास जलघर के लिए अलग बिजली लाईन बिछाने, शहर के बिजली कट के लिए समस्या के निदान के लिए जर्जर तारों की बदलवाने की मांग रखी। इसके अलावा पार्षद ने शहर के मोदाश्रम के समीप 33 केवी का पावर हाउस बनाने का भी प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि पावर हाउस के लिए नगर पालिका बिजली निगम को जमीन उपलब्ध कराएंगी। बिजली निगम के अधिकारियों को पावर हाउस के लिए आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए।

स्वस्थ, निरोग और दीर्घायु की कामना अधिकांश लोग करते हैं। वास्तव में ये सब हासिल करना बहुत कठिन नहीं है। इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने होंगे, कुछ गुड हैबिट्स अपनानी होंगी और कुछ बैड हैबिट्स को बाय-बाय कहना होगा। इसके बाद तो आप लाइफ की सेंचुरी लगा सकते हैं।

अपनाएं ये हैबिट्स जिएंगे 100 साल

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समय पूरी दुनिया में 4,50,000 लोग ऐसे हैं, जो अपनी आयु का सैकड़ा लगा चुके हैं। आने वाले दिनों में उम्र की सेंचुरी लगाने में सफल होने वाले लोगों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अगर आप भी अपनी लाइफ में सेंचुरी का आंकड़ा छूना चाहते हैं तो कुछ आदतों को अपने रुटीन में अपनाना होगा।

सोशल सर्किल हो बड़ा

अगर आप अनजान लोगों से भी आसानी से घुल-मिल जाते हैं, अपने सहकर्मियों के साथ जिंदादिली से मिलते हैं, रिश्तेदारों के साथ मिलते-जुलते रहते हैं, दोस्तों के साथ जमकर ठहाके लगाते हैं और परिवार के सदस्यों के साथ स्नेह और अपनेपन का संबंध रखते हैं, तो आपके शतकवीर होने की संभावना काफी ज्यादा है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में जेरियाट्रिक मेडिसिन (वृद्ध लोगों की चिकित्सा) के वरिष्ठ प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'अकेले और गुमसुम रहने वाले लोग अकसर बीमार रहने लगते हैं।' दीर्घायु लोगों की खोज और उन पर अध्ययन करने के लिए दुनिया भर की सैर कर चुके नेशनल ज्योग्राफिक के शोधकर्ता डैन बटनर कहते हैं, 'इटली के सरडीनिया में सौ साल की आयु पार कर चुके लोगों की बड़ी संख्या है और ये लोग दोस्ती और जिंदादिली के कारण ही स्वस्थ और खुश रहते हैं। जब भी कोई व्यक्ति बीमार पड़ता है, उसका पड़ोसी तुरंत उसके पास पहुंच जाता है। इससे जल्द स्वस्थ होने में मदद मिलती है।'

खोजें जीने का मकसद

बिना मकसद की जिदंगी कुछ ऐसी ही होती है, जैसे बिना पते का लिफाफा। जिन्होंने अपने जीवन में ना कोई लक्ष्य तय कर रखा है और ना उन्हें जीने का मकसद मालूम है, उनकी जिंदगी में दिलचस्पी भी कम होती चली जाती है। लेकिन जो किसी मकसद से जीते हैं और किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं, उनमें जिंदगी के प्रति उमंग रहती है और वे मानसिक और शारीरिक रूप से क्रियाशील रहते हैं। ऐसे लोग अकसर लंबी आयु जीते हैं। साइकोलॉजिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक शोध में भी अनुसंधानकर्ताओं ने ऐसी राय जाहिर की है। न्यूयॉर्क सिटी (अमेरिका) के माउंट सिनाई में स्थित इशान स्कूल ऑफ मेडिसिन के जेरियाट्रिक्स प्रोफेसर रोजेन लीपजिंग कहते हैं कि आपको नए दोस्त बनाने चाहिए, नई हॉबीज अपनानी चाहिए और सामाजिक कार्यों में वालंटियर के तौर पर सपोर्ट देना चाहिए।

वेट पर रखें कंट्रोल

जिसने अपनी सेहत की लगाम ढीली छोड़ दी और वेट, डाइट पर कंट्रोल नहीं कर पाता है, उसके जिंदगी की फील्ड पर जल्दी आउट होने के चांस बढ़ जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए शोधों के नतीजे बताते हैं कि जिन महिलाओं के कमर की माप 37 इंच या उससे ज्यादा थी, 40 वर्ष की उम्र के बाद उनकी आयु दूसरी महिलाओं (27 इंच या कम कमर वाली) की तुलना में 5 वर्ष तक कम हो सकती है। इसी प्रकार 35 इंच या कम कमर की माप वाले पुरुषों की तुलना में 43 इंच या उससे ज्यादा कमर के घेरे वाले पुरुषों की आयु में तीन साल तक की कटौती हो सकती है। जाहिर है, अगर आपने अपने कमर के घेरे यानी बॉडी वेट पर कंट्रोल कर रखा है तो आपकी आयु लंबी होने की संभावना बढ़ जाती है।

मिड एज में भी रहें फिजिकल एक्टिव

यंग एज में ही नहीं मिड एज में भी अगर आप खूब चलते-फिरते हैं, शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, तो बाद में भी आपके स्वस्थ रहने के चांस ज्यादा बढ़ जाते हैं। 'आर्चीव्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन' में प्रकाशित अध्ययन के नतीजे कुछ ऐसा ही संकेत करते हैं। मध्यवय के 19,000 वयस्कों पर अध्ययन करने के बाद सेहत विज्ञानियों ने पाया कि जो लोग इस उम्र तक फिट रहते हैं आगे चलकर उनमें हार्ट डिजीज, टाइप-2 डायबिटीज, कैंसर, अल्जाइमर्स आदि रोग होने की संभावना तुलनात्मक रूप से कम होती है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'जो लोग अपनी जिदंगी में भागते-दौड़ते रहते हैं, वॉकिंग करते है या साइकिल चलाते रहते हैं, वे लंबी आयु के स्वामी होते हैं।'

उपयोगी है दोपहर में झपकी

आप खूब काम करते हैं, सक्रिय रहते हैं फिर भी दोपहर में कुछ पल आराम के निकालते हैं और झपकी लेते हैं, तो आपके शतायु होने की संभावना में इजाफा हो जाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 23000 लोगों पर लगातार 6 सालों तक अध्ययन किया तो पाया कि जिन लोगों में दोपहर को 30 मिनट तक नींद लेने की आदत थी, उनमें अन्य लोगों की तुलना में हार्ट डिजीज से मरने का 37 फीसदी कम जोखिम था। ग्रीस के एक छोटे से गांव इकारिया में सौ वर्ष की आयु पार चुके लोगों की बड़ी संख्या है और उन सभी में कुछ देर दोपहर को नियमित सोने की आदत है।

ताजे फल-सब्जियों का सेवन

मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध में पता चला है कि फल और सब्जियों का भरपूर सेवन करने वाली महिलाओं की आयु, फल-सब्जी कम खाने वाली महिलाओं की तुलना में अधिक होती है। इन महिलाओं की फल-सब्जी खाने की आदत का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने इनसे पूछताछ के साथ इनके रक्त की जांच भी की। विशेषज्ञ बताते हैं कि दीर्घायु होने में फल-सब्जियों की महती भूमिका का जीता-जागता सबूत है जापान के ओकीनावा में रहने वाले शतायु बुजुर्ग। इस शहर में दुनिया की किसी भी दूसरी जगह के मुकाबले सबसे ज्यादा सौ वर्षीय या ज्यादा उम्र के लोग रहते हैं। यहां प्रति लाख 50 लोग सौ साल से ज्यादा उम्र के मिलेंगे। इस शहर के लोगों में प्लांट बेस्ड डाइट खाने की आदत है। इनमें से ज्यादातर लोग इन फल-सब्जियों को खुद अपने बगीचे में उगाना पसंद करते हैं। *

ये हैबिट्स भी हैं कारगर

- **अगर आप** जिंदादिल, हंसोड़ और आशावादी हैं तो आपकी आयु सौ के पार जाने में ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। 'एजिंग' जर्नल में प्रकाशित एक शोध के नतीजों से पता चला है कि ऐसे लोग स्ट्रेस और एंजायटी से बचे रहते हैं, इसलिए इनकी आयु रूखे स्वभाव वाले लोगों की तुलना में ज्यादा होती है।
- आप खुद को असली उम्र से कम फील करते हैं और अकसर दूसरे लोग भी ऐसा ही आकलन करते हैं, तो तय मानिए कि आप चिरायु होंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को वास्तविक उम्र से अधिक का समझने वाले और जल्दी ही बूढ़े दिखने वाले लोग अकसर कम उम्र में ही चल बसते हैं।
- आप मेडिटरेनियन डाइट लेते हैं तो आपकी आयु शर्तिया ज्यादा होगी। साबुत अनाज, मेवे, लेग्यूम्स, ऑलिव आयल के साथ-साथ फलों और सब्जियों का सेवन करने से शरीर को भरपूर पोषण मिलता है और कोशिकाएं निरंतर रीजेनरेट होती रहती हैं।

हियरिंग लॉस की वजह बनता हेडफोन-ईयरफोन

जब से स्मार्टफोन और उससे कनेक्टेड हेडफोन/ईयरफोन का ट्रेंड बढ़ा है, दुनिया भर में हियरिंग लॉस के केसेस में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। यह हैबिट कितनी हार्मफुल है और इससे बचना कितना जरूरी है, आपको पता होना चाहिए।

टेक्नोबिहेवियर
डॉ. मोनिका शर्मा

पार्श्व गायिका अलका याग्निक ने पिछले दिनों खुलासा किया था कि वे सुनने से जुड़े एक दुर्लभ डिसऑर्डर की शिकार हो गई हैं। अपनी सुरीली आवाज के लिए जानी जाने वाली इस चर्चित गायिका के अनुसार, 'डॉक्टर्स ने मुझे बताया कि मैं सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस का शिकार हो गई हूं। वायरल अटैक के कारण इस बहरेपन का पता चला है।' अपनी स्वास्थ्य समस्या को साझा करते हुए अलका याग्निक ने लोगों को बहुत तेज संगीत और हेडफोन से फास्ट म्यूजिक सुनने को लेकर सावधान किया है। देश के एक चर्चित चेहरे की यह सलाह बहुत से लोगों के लिए चेतावनी के समान है। मौजूदा दौर में हर ओर यही देखने में आता है कि एक्सरसाइज, वॉक, ट्रैवलिंग या फिर दूसरे कोई घरेलू काम निपटाते हुए भी बहुत से लोग ईयरफोन या हेडफोन लगाए रहते हैं। यह अपने परिवेश से खुद को अलग करने वाला बर्ताव तो है ही, बीमारियों को न्योता देने वाली आदत भी है। जरूरी है कि समय रहते सजगता बरती जाए।

हेल्थ पर भारी स्टाइल स्टेटमेंट: बिना सोचे-समझे स्टाइलिश दिखने के लिए इस्तेमाल की जा रहीं ऐसी तकनीकी सौगातें, अब हेल्थ के लिए रिस्क पैदा करने लगी हैं। असल में बिना अनुशासन के काम में ली जा रही हर चीज के खामियाजे होते ही हैं। सबसे पहले तो यह समझना जरूरी है कि हरदम हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखने में फैशनेबल दिखने जैसी कोई बात नहीं है। तकनीक से मिली बहुत सुविधाओं में यह भी एक सुविधा भर है, जिसके इस्तेमाल की अति, हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बनती है। हर समय हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखना सीधे-सीधे हमारी सुनने की क्षमता को प्रभावित करता है। इतना ही नहीं बाहरी शोरगुल से बचाने वाली यह तकनीक, हमारी मनःस्थिति के लिए घातक है। दूसरों से बोलने-बतियाने से लेकर किसी विशेष परिस्थिति में सहज बने रहने तक, बहुत आम सी बातें व्यवहार से गायब हो जाती हैं।

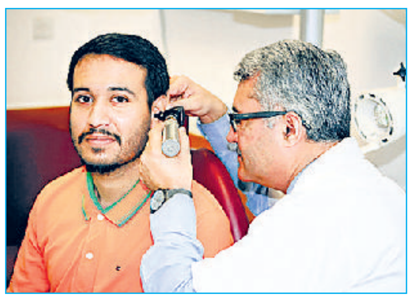

कई रोगों का कारण: ईयरफोन या हेडफोन से तेज संगीत सुनना, केवल हियरिंग लॉस ही नहीं करता बल्कि शरीर के दूसरे अंगों पर भी दुष्प्रभाव डालता है। यूं लगातार म्यूजिक सुनते रहने से मेंटल और इमोशनल सेहत भी प्रभावित होती है। असल में इंसान के कानों की सुनने की क्षमता केवल 90 डेसिबल होती है। लगातार तेज आवाज का कानों में गूंजते रहना इसे 40-50 डेसिबल तक कम कर सकता है। इतना ही नहीं यूं हरदम म्यूजिक सुनते रहना दिल की धड़कनें भी बढ़ा देता है। इससे हृदय से जुड़ी परेशानियां भी होने लगती हैं। इसके अलावा सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव, एकाग्रता की कमी और कानों में इंफेक्शन होने जैसी समस्याएं भी सामने आने लगती हैं।

स्मार्ट फोन का सधा इस्तेमाल जरूरी: हरदम कुछ ना कुछ सुनते रहने की आदत से बचने के लिए स्मार्ट फोन की लत से बचना पहला कदम है। आज के समय में हर कहीं इंटरनेट का उपलब्ध होना और डिजिटल मीडिया में देखने-सुनने के लिए मौजूद सामग्री की भरमार भी यूजर्स द्वारा हर पल कानों में ईयरफोन लगाए रखने का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है मीटिंग्स, स्कूल-कॉलेज की क्लास या आवश्यक बातचीत के लिए कुछ समय ईयरफोन का इस्तेमाल किया जा सकता है पर लंबे समय तक ऐसा करना घातक है। इससे धीरे-धीरे सुनने और समझने की क्षमता भी प्रभावित होने लगती है। ड्राइविंग के दौरान हेडफोन या ईयरफोन लगाए रहना अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी जोखिम पैदा करने वाला बर्ताव है। घर-परिवार में ईयरफोन लगाकर रखने वाले लोग अपनों की बात भी सहजता से नहीं सुनते-समझते। यह स्थिति सार्थक संवाद में बाधा बनती है। असल में टेक्नोलॉजिकल रेवोल्यूशन के नाम पर अपने परिवेश से दूर होने के अनगिनत खामियाजे हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट को एक सौगात की तरह समझते हुए सधकर इन सुविधाओं का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है।

पैरेंट्स रखें बच्चों का ध्यान: कैलिफोर्निया के ऑस्टियोपैथिक बाल रोग विशेषज्ञ, जेम्स ई. फॉय, कहते हैं कि लंबे समय तक तेज आवाज में हेडफोन सुनने से बच्चों और किशोरों में हमेशा के लिए सुनने की क्षमता कम हो सकती है। असल में हेडफोन और हियरिंग लॉस का सीधा संबंध है। मौजूदा समय में 5 में से 1 किशोर किसी न किसी रूप में हियरिंग लॉस का अनुभव करता है। बीते 20 साल में यह आंकड़ा लगभग 30 फीसदी बढ़ गया है। हियरिंग लॉस के बढ़ते आंकड़े के पीछे हेडफोन का बढ़ता इस्तेमाल अहम वजह है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन का अनुमान है कि दुनिया भर में करीब 1 अरब युवा ईयरफोन लगाकर सुनने की असुरक्षित आदतों के कारण सुनने की क्षमता खोने के जोखिम में हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ द्वारा यह चेतावनी भी दी जा चुकी है कि ईयरफोन के अधिक इस्तेमाल से 2050 तक 70 करोड़ से ज्यादा लोग हियरिंग लॉस का शिकार बन सकते हैं। ऐसे में पैरेंट्स समय रहते अपने बच्चों को इन तकनीकी सुविधाओं के इस्तेमाल की अति से बचाएं। *

लघुकथा / अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

अजूबा

रोज अपनी कालोनी से मिंटो पार्क तक सुबह साथ-साथ टहलने जाने और घंटों साथ रहने वाले दोनों वृद्ध पड़ोसी इस बार एक सप्ताह के बाद मिले थे।

'कहो भाई वर्मा! कहां निकल गए थे। सुना है बहुत लंबा टूर कर आए। क्यों सब खैरियत तो है?' पड़ोसी माथुर जी ने पूछा।

'क्या बताऊं यार! अपनी लड़की की शादी के सिलसिले में निकला था। पहले मुजफ्फरपुर गया, वहां से रांची फिर हजारीबाग, इसके बाद पटना से बक्सर होते हुए कल ही वापस लौटा हूं। लेकिन इस यात्रा में एक अजूबा हुआ। तुम सुनोगे तो सहसा विश्वास नहीं करोगे।' वर्मा जी बोले। 'ऐ! अजूबा...? कैसा अजूबा...? मैं भी तो सुनूं जरा।' माथुर जी जानने के लिए आतुर हुए। ' हुआ यह कि मैं पूरे एक हफ्ते बस और ट्रेन की यात्रा करता रहा, लेकिन रास्ते में कहीं भी किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई। ना कोई एक्सीडेंट, ना कहीं तोड़-फोड़, ना चक्काजाम, ना प्रदर्शन, ना ट्रेन डकैती, ना बस में चोरी, ना लूटपाट... कुछ भी नहीं हुआ। कहीं कोई वारदात नहीं हुई। मैं जैसे गया था, यहां से वैसे ही सकुशल वापस आ गया। बोलो है न अजूबे की बात?'

माथुर जी तुरंत बोले, 'बस... इतनी सी बात। अब मेरी सुनो। मेरे साथ तो इससे भी अधिक अजूबे की बात हुई। तुम्हें तो पता ही है कि गांव में मेरी थोड़ी-सी पुश्तैनी जमीन पड़ी हुई थी।'

मैंने सोचा बच्चों को तो अब लौट कर गांव जाना नहीं है और अपनी जिंदगी का कोई भरोसा नहीं, पका आम हूं कब टपक पड़ूं, पता नहीं। सो मन हुआ कि उस जमीन को बेच दूं। इसी सिलसिले में मैं गांव गया था। सचमुच यार! मुझे यह देख कर बहुत हैरानी हुई कि तहसील की खसरा, खतौनी में वह जमीन अभी भी मेरे ही नाम थी। बताओ यह अजूबे की बात नहीं तो भला और क्या है? और उससे भी अधिक अजूबे की बात तो यह हुई कि मैं उस जमीन को बेच कर, पूरे अस्सी हजार रुपए नकद लेकर अपने गांव से यहां तक बिल्कुल सही-सलामत वापस आ गया।' माथुर जी ने अपने पड़ोसी वर्मा जी से कहा।

'हूं...! बात तो वाकई अजूबे की है!' कह कर वर्मा जी ने एक गहरी सांस ली। इसके बाद दोनों कुछ देर खामोश बैठे रहे। उन्हें मन ही मन बहुत आश्चर्य हो रहा था। *

उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं।

इधर की इनफॉर्मेशन उधर करने वाले

व्यंग्य / सतीश उपाध्याय

किसी की शादी, जलसा हो या ऑफिस में किसी की ज्वॉइनिंग या रिटायरमेंट सबसे पहले 'उन्हीं' को जानकारी मिलती है। फटाक से जानकारी हासिल करने के मामले में उनकी 'सोशल स्किल' बहुत तगड़ी है। वे चुगली नहीं करते बल्कि नई इनफॉर्मेशन को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का काम करते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है, गॉसिपिंग के मामले में उनके ब्रेन की संरचना पर रिसर्च भी किया जा सकता है।

किसी की लाइफ में कोई परेशानी हो या कोई फील गुड, वे तो ताड़ ही जाते हैं। ताड़ने के बाद, फिर वे अर्जित जानकारी का 'तिल का ताड़' बना देते हैं। इस काम में भी वे इतने परफेक्ट हैं कि लगता है कि ये खूबी उनको अपने ही डीएनए से मिली है। उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं। सोसाइटी के बाकी लोगों से अलग हटकर उनमें कई खूबियां हैं। वे गजब हैं, टॉमी की तरह तेज घ्राणशक्ति भी रखते हैं। उनकी आदत, ऑफिस हो या कोई भी लोकेलिटी, आस-पड़ोस सभी जगह सक्रिय रहती है। फैमिली, रिश्तेदार, पास-पड़ोस सबकी जिंदगी के बारे में उन्हें, उनके ही हिसाब से जानकारी रहती है। ऐसे ही लोगों के भीतर निंदा रस ज्यादा पाया जाता है। इसीलिए उनकी सोशल इनफॉर्मेशन बहुत तगड़ी है। यही निंदा रस उन्हें हेल्दी बनाए हुए है। वे निंदा कर फील गुड करते हैं। जब वे किसी की निंदा करते हैं, तब उनके भीतर ऑक्सीटोसिन हार्मोंस का स्तर बढ़ जाता है। इस हार्मोन की वजह से वह जब-जब जिसकी, जितनी गहरी निंदा करते, वे उस समय उतने ही प्रसन्न भी रहते हैं। तब उनके हार्मोंस का स्तर सिर चढ़कर बोलने लगता, अपनी बात की प्रामाणिकता के लिए कसम भी खाते और कान के एकदम नजदीक आकर फुसफुसाते, 'मैंने अपनी आंखों से देखा है।'

ऐसे लोगों के लिए ही कबीर ने कहा है- 'आंगन कुटी छवाय।' वे निकट बने रहेंगे तो हमारी कमजोरी पर उनकी निगाह रहेगी। हम दुरुस्त रहेंगे। अपने निंदारस को बढ़ाने के लिए वे प्रायः महफिल खोजते हैं। जहां वे अपनी स्किल को बढ़ा सकें। इससे उनके दिल और दिमाग की सेहत दुरुस्त रहती है। उनके बातचीत का केंद्रीय विषय दूसरों की निंदा ही होती है। इसी में उन्हें खुशी का एहसास होता है। जब तक दो-चार लोगों की, दूसरों की निंदा ना कर लें, वे बेचैन रहते हैं। उनके मस्तिष्क में कई मौलिक विचार जागृत होते रहते हैं। ऐसा लगता है, जिस प्रकार हर नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त है, उन्हें भी निंदा करने का अधिकार प्राप्त है। दूसरों की निंदा में उन्होंने जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा गुजारा है, शायद परमात्मा ने उन्हें जीवन निंदा करने के लिए ही दिया है। उनके हृदय में निंदा, उत्सव की तरह विराजमान रहता है। जब-जब वे निंदा करते हैं, तब-तब उनका उत्सव संपादित हो जाता है। उनके दिल में, कॉलोनी के लोगों से जुड़े अलग-अलग मौलिक किस्से मौजूद रहते हैं। अवकाश के दिनों में तो उनके पास रुमानियत के कई काल्पनिक किस्सों का इजाफा हो जाता है।

खैर वक्त तो लगा, वे पहचाने गए। समय के साथ पूरी कॉलोनी भी विवेकवान और उनसे सतर्क हो गई है। अब उनसे कॉलोनी बहुत दूर होती जा रही है। एक दिन पूरी कॉलोनी वालो ने ताड़ लिया कि वे हमारी 'आदर्श कॉलोनी' को छोड़कर 'समता कॉलोनी' शिफ्ट कर रहे हैं। *

जगन्नाथ रथ-यात्रा को भारतीय धर्म-संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है और यह यात्रा पुरी नगर के बाहर से आने वाले लोगों को भी सामूहिक आनंद और भक्ति का अनुभव कराती है। प्रत्येक वर्ष आषाढ़ माह में आयोजित होने वाली इस यात्रा में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। आस्था-भक्ति का यह आयोजन अपनी भव्यता के लिए भी जाना जाता है।

भक्ति-संस्कृति का संगम

जगन्नाथ रथ-यात्रा

धार्मिक आयोजन / अलका 'सोनी'

भक्ति और प्रेम में असीम शक्ति होती है। इससे वशीभूत होकर स्वयं भगवान भी खिंचे चले आते हैं। हमारे देश में तो भक्तों की अपने आराध्य भगवान से अनोखे रिश्ते की परंपरा रही है। यहां हम अपने भगवान को कभी झूला झुलाते हैं तो कभी रथ पर बिठाकर प्रेम से भ्रमण कराते हैं। इसके लिए पथ बुहारने का काम राजे-महाराजे करते रहे हैं। ऐसे ही अपने आराध्य प्रभु जगन्नाथ के रथ को अपने हाथों से खींचते हुए भ्रमण कराना अद्भुत अनुभव देता है। माना जाता है कि जिसे रथ खींचने का सुअवसर मिलता है, वो सौभाग्यशाली होता है। वैसे तो रथ-यात्रा मूलतः ओडिशा का त्योहार है। लेकिन अब पूरे देश में श्रद्धालु प्रेमपूर्वक भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलरामजी की रथ-यात्रा निकालते हैं।

हिंदू धर्म में विशेष महत्व

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ, श्रीकृष्ण के एक रूप माने जाते हैं और भगवान विष्णु के अवतारों में श्रीकृष्ण को पूर्णावतार माना जाता है। इसलिए उनकी यात्रा को भी श्रद्धालुओं द्वारा अत्यधिक आदर और भक्ति के साथ पर्व के रूप में मनाया जाता है। रथ- यात्रा की परंपरा सदियों पुरानी है और इसे भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है। इसकी जड़ें इतिहास में गहराई तक फैली हुई हैं, जो इसे विशेष बनाती हैं। जगन्नाथजी की रथ यात्रा ना केवल भारत में बल्कि विश्व भर में प्रसिद्ध है और हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु इसमें शामिल होने के लिए आते हैं।

सदियों पुरानी परंपरा

इतिहासकारों की मानें तो रथ-यात्रा की परंपरा, 12वीं सदी में शुरू हुई थी। हालांकि इस बारे में कुछ कथाएं भी प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार, जब राजा इंद्रद्युम्न ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी की मूर्तियां बनवाईं तो रानी गुंडिचा ने मूर्तियां बनाते हुए मूर्तिकार विश्वकर्मा और मूर्तियों को देख लिया, जिस वजह से मूर्तियां अधूरी ही रह गईं। तब आकाशवाणी हुई कि भगवान इसी रूप में स्थापित होना चाहते हैं। इसके बाद राजा ने इन्हीं अधूरी मूर्तियों को मंदिर में स्थापित करवा दिया। उस वक्त आकाशवाणी हुई कि भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी जन्मभूमि मथुरा जरूर आएंगे। स्कंद पुराण के उत्कल खंड के अनुसार राजा इंद्रद्युम्न ने आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के दिन प्रभु के उनकी जन्मभूमि जाने की व्यवस्था की। तभी से यह परंपरा रथ-यात्रा के रूप में चली आ रही है।

इस यात्रा से संबंधित दूसरी कहानी देवी सुभद्रा से जुड़ी है। पद्म पुराण के अनुसार, एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने अपने प्रिय भाई से नगर देखने की इच्छा जताई। तब जगन्नाथ जी ने अपने बड़े भाई बलभद्र और लाडली छोटी बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाया और नगर दिखाने के लिए निकल पड़े। यह घटना आषाढ़ के दिनों की है। इसी भ्रमण के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्रजी और सुभद्राजी अपनी मौसी के घर गुंडिचा भी गए थे। अपनी मौसी के घर इन तीनों ने सात दिनों तक ठहर कर विश्राम किया था। उसी मान्यता के अनुसार आज भी यह यात्रा सात दिन बाद तीनों के वापस जगन्नाथ मंदिर में आने के बाद ही समाप्त होती है।

यात्रा के विभिन्न चरण

यह संपूर्ण यात्रा, रथयात्रा, गुंडिया यात्रा और निलाद्री विजय यात्रा के तीन अवस्थाओं में विभाजित होती है। इस यात्रा के लिए तीन विशाल रथ तैयार किए जाते हैं, जिन्हें लकड़ी से बनाया जाता है। ये रथ अत्यधिक भव्यता से सजाए जाते हैं और इन्हें खींचने के लिए हजारों भक्त एकत्रित होते हैं। 'नंदिघोष' नामक रथ पर भगवान जगन्नाथ विराजमान होते हैं। तालध्वज नामक रथ पर बलभद्र जी और देवदलन नामक रथ पर सुभद्रा जी विराजमान होती हैं। इस यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और उनकी बहन सुभद्रा को मंदिर से एक मार्ग द्वारा पुरी के गुंडिचा मंदिर तक ले जाया जाता है। यह यात्रा की प्रारंभिक अवस्था होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी को उनके विशेष रथों में स्थानांतरित किया जाता है। यह रथ-यात्रा भरपूर धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न की जाती है। इसमें हजारों लोग भाग लेते हैं, जो रथ को खींचते हैं और उसे पुरी नगर तक ले जाते हैं।

दूसरी अवस्था गुंडिया यात्रा की होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों के दर्शन के लिए एक विशेष गुंडीया में वापस लाए जाते हैं। इसमें उनकी विशिष्ट पूजा-अर्चना की जाती है। उनके दर्शन करने के लिए भक्तों का एक खास आयोजन होता है।

तीसरी और अंतिम अवस्था निलाद्री विजय यात्रा या बहुदा यात्रा होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी को जगन्नाथ मंदिर में वापस ले जाया जाता है। इस अवस्था में विभिन्न पूजा-अर्चना के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और भक्तों को भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

जुड़ी हैं कई मान्यताएं

भक्ति, प्रेम और उपासना के साथ-साथ इस रथ-यात्रा के अन्य महत्त्व भी हैं। मान्यता है कि जो भी भक्त भगवान जगन्नाथ की रथ-यात्रा में शामिल होता है, उसके जीवन में सभी दुख-दर्द खत्म हो जाते हैं। साथ ही भूल से हुए अपराधों के लिए भक्त क्षमा मांगकर अपने जीवन का नया अध्याय भी शुरू करते हैं। भगवान जगन्नाथ के दर्शन के बाद भक्तों को सुख-शांति के साथ अपना जीवन जीने के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि जो लोग भी सच्चे भाव से इस यात्रा में शामिल होते हैं, उनकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस यात्रा के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। इस रथ-यात्रा में शामिल होने का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी में हम कई बार अपने कुछ प्रयासों में नाकामयाब हो जाते हैं। ऐसे में निराश होने, मन में नकारात्मक भाव लाने और हार मानने की बजाय कुछ सकारात्मक सोचें और आगे बढ़ें तो सफल जरूर होंगे।

नाकामी से ना हों निराश

सीखें कुछ सकारात्मक

हालांकि हममें से अधिकतर लोग बुरे वक्त और असफलता से बचना चाहते हैं। लेकिन देखा जाए तो इसमें भी ऐसे महत्वपूर्ण सबक होते हैं, जो ना सिर्फ ताउम्र याद रहते हैं बल्कि जीवन के लिए बेहद उपयोगी भी साबित होते हैं। इसलिए नाकामयाबी को भी एक संदेश की तरह स्वीकार करें।

सुधार का अवसर मानें: कोई नहीं जानता कि कब नाकामी का सामना करना पड़ेगा। लेकिन नाकामी को अपनी गलतियां पहचानने और उन्हें दूर करके अपनी कार्यशैली या आदतों में सुधार का अवसर समझें। समझदार लोग विफलताओं से ज्ञान हासिल करते हैं और इस ज्ञान को सफलता हासिल करने में इस्तेमाल करते हैं। याद रखें, हर नाकामी आपको एक नया अनुभव और सबक देती है, जो आपको अधिक ताकतवर और समझदार बनाते हैं।

गलतियां दोहराने से बचें: आप जब भी किसी लक्ष्य को हासिल करने में नाकामयाब हों तो उसे हासिल करने के प्रयासों का शुरू से लेकर आखिर तक पूरा आकलन करें। एक बार जब आप आत्मसमीक्षा करने और अपनी गलतियों को पहचानने में कामयाब हो जाएंगे तो आप भविष्य में उन गलतियों को दोहराने से बच सकेंगे।

नाकामी जीवन का हिस्सा: इस दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो कभी असफल नहीं हुआ होगा। दुनिया के सफलतम और सबसे प्रतिभाशाली लोगों ने भी अपने जीवन में कई बार विफलताओं का सामना किया है। हर असफलता के बाद आपको भी यह ध्यान रखना है कि यह जीवन का एक हिस्सा है और अब आपको विराम नहीं बल्कि दोबारा नए सिरे से कोशिश करनी है।

लक्ष्य की राह में मील का पत्थर: जब आप नाकामी के प्रति अपना नजरिया बदल लेते हैं और इसे दिल पर लेना छोड़ देते हैं तो विफलताएं आपकी राह में मील का पत्थर साबित होने लगती हैं। 'फीलिंग फॉरवर्ड' नामक चर्चित पुस्तक में जॉन सी मैक्सवेल ने यही लिखा है, 'जब आप ऐसा समझ लेते हैं तो अधिक उत्साह से अवसरों का सामना करते हैं और हार का डर आपके दिमाग से निकल जाता है। आप अपने सारे प्रयास समझ-बूझकर करते हैं और सफलता ज्यादा आसान हो जाती है।'

खुद पर भरोसा रखें: यह एक सामान्य सी बात है कि गलती या नाकामी की स्थिति में आपको अपने परिजनों, बॉस या सहकर्मियों से कुछ ताने सुनने पड़ सकते हैं। लेकिन ऐसे में खुद को अपमानित महसूस करना या दूसरों को दोष देना सही नहीं है। इससे पहले कि आपकी भावनाएं आप पर हावी हों, धैर्यपूर्वक सोचें कि आखिर आप चाहते क्या हैं? सबसे बड़ी बात यह है कि आप खुद पर भरोसा करें कि आप चाहेंगे तो इसे जरूर कर लेंगे, बस आपका काम बन जाएगा।

बहाने ना बनाएं: कामयाब ना होने के पीछे सबसे बड़ी प्रवृत्ति है बहाने बनाना। कई लोग एक-दो प्रयासों में असफल होने के बाद बहाने बनाने लगते हैं, 'क्या करें लोग साथ नहीं देते...' या 'हमारी तो किस्मत ही साथ नहीं देती है।' ऐसा ना करें। हम सब जानते हैं कि बिना मेहनत किए हम सफल नहीं हो सकते। यदि आप वाकई सफल होना चाहते हैं तो पूरी शिद्दत से अपने कर्म में जुट जाएं और तब तक जुटे रहें जब तक कि आप कामयाब ना हो जाएं। *

जैसे दुनिया में खाने-पीने के शौकीनों की कमी नहीं है, वैसे ही एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट और कीमती व्यंजनों की दुनिया भर में उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ की कीमत जानकर आप हैरान रह जाएंगे। कुछ ऐसे ही महंगे फूड-आइटम्स पर एक नजर।

सोने-चांदी की तरह महंगे हैं ये फूड

रोचक
अंजू जैन

अक्सर हम महंगाई की चर्चा करते हैं और आटा, तेल, नमक, दाल, सब्जियों जैसी रोजमर्रा के खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने पर चिंता जताते हैं। लेकिन दुनिया के कुछ खास हर्ब्स, फल, सब्जियों और मिठाइयों की कीमत इतनी ज्यादा है कि उनके बारे में जानकर आप चौंक जाएंगे। ऐसे ही कुछ फूड आइटम्स पर एक नजर-

व्हाइट अल्बा ट्रफल: यह गुंथे हुए आटे या कुछ-कुछ अदरक जैसी दिखती है। यह एक प्रकार की फंगस (कवक) है, जो दुनिया की सबसे महंगी हर्ब मानी जाती है। यह दक्षिणी यूरोप और उत्तरी अफ्रीका में पाई जाती है। इसका रंग क्रीम वाइट या लाइट पिंक होता है। इसका स्वाद ताजे अदरक और चीज जैसा लगता है। इसकी गंध और स्वाद दोनों तीखे होते हैं। इसे उगाना बहुत कठिन होता है और यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती है, इसीलिए यह इतनी महंगी होती है। इसकी कीमत प्रति किलो एक करोड़ रुपए तक हो सकती है।

मात्सुके मशरूम: यूं तो दुनिया में कई तरह के मशरूम पाए जाते हैं, लेकिन मात्सुके मशरूम इनसे बिल्कुल अलग होता है। इसकी कीमत प्रति किलो 80 हजार रुपए तक हो सकती है। यह मशरूम जापान के अलावा यूरेशिया और उत्तरी अमेरिका के देशों में ज्यादा पाया जाता है। इसे जापानी लोग खूब पसंद करते हैं। इनसे बनने वाले व्यंजन गाढ़े, रेशेदार और स्पाइसी होते हैं।

कोपी लूवक: यह दुनिया की सबसे महंगी कॉफी है। इसे सिर्फ इंडोनेशिया में ही उगाया जाता है। कॉफी के शौकीन टूरिस्ट, इस कॉफी को टेस्ट करने के लिए खासतौर पर इंडोनेशिया आते हैं। लेकिन इसका स्वाद वही चख सकता है, जो शौकीन होने के साथ-साथ अमीर भी हो, क्योंकि इसके एक पौंड यानी लगभग 450 ग्राम की कीमत होती है लगभग 1 लाख 25 हजार रुपए।

जापानी काला तरबूज: गर्मी के मौसम में आम और खरबूजे के साथ-साथ सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला फल तरबूज होता है। आमतौर पर आप तरबूज 30 से 50 रुपए प्रति किलो के हिसाब से खरीदते होंगे। लेकिन हम कहें कि एक ऐसा भी तरबूज होता है जिसकी कीमत 45 लाख रुपए प्रति किलो है, तो आप शायद यकीन नहीं करेंगे। जी हां, यह अनोखा काला तरबूज, सिर्फ जापान में ही उगाया जाता है। चूंकि इसका उत्पादन बहुत कम होता है, इसलिए इसकी कीमत इतनी ज्यादा होती है।

मूस चीज: यह एक खास प्रकार का चीज है, जो स्वीडन में मिलता है। गधी के दूध से बनने वाला मूस चीज, दुनिया के सबसे महंगे फूड आइटम्स की सूची में शामिल है। इसे मई से सितंबर के बीच में तैयार किया जाता है। इसके शौकीन लोग प्रति किलो 90 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक की कीमत चुका कर भी इसका स्वाद लेने से पीछे नहीं हटते। *

सोने की मिठाई

यूएई का दुबई शहर ऐश्वर्य, वैभव और विलासिता के लिए जाना जाता है। यहां शानदार होटल से लेकर लाजवाब फूड्स तक हर वो चीज मौजूद है, जो आपको हैरानी में डाल सकती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि दुबई के एक रेस्टोरेंट में सोने की मिठाई परोसी जाती है। दुबई के रेस्टोरेंट 'जो जू' में स्वीट डिश सोने की एक परत के साथ सर्व की जाती है। इस रॉयल मिठाई की चर्चा पूरी दुनिया में है। इस सोने की मिठाई की कीमत प्रति पीस करीब 25 डॉलर यानी इंडियन करेंसी में 2 हजार रुपए से कुछ अधिक होती है।

'कॉमेडी क्वीन' के नाम से मशहूर भारती सिंह ने अपने टैलेंट, मेहनत और लगन के बल पर टीवी इंडस्ट्री में एक खास मुकाम हासिल किया है। इन दिनों वह कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट हो रहे कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स' होस्ट कर रही हैं। इस शो, अपनी अब तक की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बेबाक बातचीत भारती सिंह से।

मैंने अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनाया: भारती सिंह

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

पचासी किलो वजन और पांच फीट हाइट के साथ पंजाब से आई गोल-मटोल भारती सिंह ने कभी भी नहीं सोचा था कि उनका हैवी वेट, जो उनकी कमजोरी है, वही उनकी ताकत बन जाएगा। अपना ही मजाक उड़ाकर सबको हंसाने वाली भारती सिंह आज, टेलीविजन इंडस्ट्री और ग्लैमर वर्ल्ड का जाना-माना नाम हैं। टीवी शोज के अलावा भारती कुछ फिल्मों में भी नजर आई हैं। इन दिनों कलर्स पर प्रसारित हो रहे शो 'लाफ्टर शेफ्स' को लेकर **भारती सिंह** चर्चा में हैं। पेश है, उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

कलर्स के कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स' में आप बतौर एंकर कितना एंज्वॉय कर रही हैं? इस शो को लेकर आपके कैसे एक्सपीरियंस हैं?

बहुत ही मजेदार एक्सपीरियंस हैं। मैं यह शो बहुत एंज्वॉय कर रही हूं। एक्चुअली, इस शो में मेरे दो फेवरेट काम हैं- खाना और हंसना। मुझे लगता है, मैं बहुत लकी हूं कि मुझे अपने दोनों पसंदीदा काम करने का मौका मिल रहा है। साथ में उस काम का पैसा भी मिल रहा है।

इस शो में एंकरिंग के दौरान क्या खास सीखने को मिला?

इस शो में मुझे तरह-तरह की वैरायटी वाला खाना बनाने का ज्ञान प्राप्त हो रहा है। वैसे तो मुझे सिर्फ देसी खाना ज्यादा अच्छा बनाना आता है, लेकिन इस शो में मुझे कई तरह की डिशेज सीखने का मौका मिला, जैसे-नूडल्स, केक, बर्गर एक्सेक्ट्रा। हर्ष (पति) और गोला (बेटा) दोनों ही खाने के शौकीन हैं। इसलिए इस शो से सीखकर मैं अपने ही हाथ से उनको अलग-अलग वैरायटीज के पकवान बनाकर खिला पाऊंगी।

'लाफ्टर शेफ्स' शो जज एवं कंटेस्टेंट्स के साथ भारती

'लाफ्टर शेफ्स' शो के जज हरपाल सिंह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा। हरपालजी अच्छे शेफ होने के साथ-साथ एक अच्छे, खुश-मिजाज इंसान भी हैं। हम दोनों मिलकर कंटेस्टेंट्स की एक्टिविटीज का बहुत मजा लेते हैं। हरपालजी को कृष्णा, कश्मीरा, सुदेश की मस्तियां देखकर बहुत ज्यादा मजा आता है।

आज आपने स्टैंड-अप कॉमेडियन और एंकर के रूप में टीवी इंडस्ट्री में जो स्थान बनाया है, वह कितना ईजी और टफ रहा?

आसान पहले भी नहीं था और आसान आज भी नहीं है। जिन हालातों में मैंने अपना करियर शुरू किया था, उस दौरान मेरा लोगों के बीच अपनी पहचान बनाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन-सा था। एक तो मेरा वजन ज्यादा था, कद भी छोटा था और मेरे पास किसी की कोई बैकिंग भी नहीं थी। बस इतना ही था कि मुझे अपनी काबिलियत पर भरोसा था। शुरुआत में मुश्किलें तो खूब आईं, लेकिन हजार कठिनाइयों के बावजूद मैंने कभी हार नहीं मानी। मैंने अपनी ही कमजोरी को अपनी ताकत बनाया, अपने मोटापे का मजाक उड़ाकर मैंने सबको खूब हंसाया। इसीलिए आज मैं यहां हूं। मैंने जो नाम, शोहरत और पैसा कमाया है, उसको बरकरार रखने के लिए भी बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

आप टीवी पर पहले से ही बहुत व्यस्त थीं, बावजूद उसके आपने यू-ट्यूब चैनल भी शुरू किया। क्या इसके पीछे की वजह और ज्यादा पैसा कमाना है?

यू-ट्यूब से जुड़ने के पीछे एक वजह लॉक डाउन के बाद टीवी इंडस्ट्री की आर्थिक स्थिति खराब होना भी रही। पहले अपने शोज में मुझे जितने पैसे मिलते थे, आज उसके आधे मिलते हैं। मेकर्स के पास आज इतना बजट ही नहीं है कि वे हमको ज्यादा पैसे दे सकें। यू-ट्यूब चैनल में अच्छी कमाई हो जाती है। साथ ही यह अपने फैंस के साथ लगातार जुड़े रहने का एक अच्छा माध्यम भी है। यही वजह है कि हमने यू-ट्यूब पर 'भारती टीवी पॉडकास्ट', 'एल-ओ-एल (लाइफ ऑफ लिंबाचिया)' और खुद का ब्लॉग भी शुरू किया, जो बहुत ही मजेदार है।

फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों के साथ आपकी अच्छी ट्यूनिंग नजर आती है। सलमान, शाहरुख से लेकर अक्षय कुमार, रणबीर कपूर तक आप सभी हीरोज के साथ मस्ती-मजाक और फ्लर्ट करती नजर आती हैं। ऐसे में आपके पति हर्ष का क्या रिएक्शन होता है?

मैं जो भी करती हूं, उसमें हर्ष की सहमति होती है (हंसते हुए)। हर्ष पर्सनली खुद भी बहुत मस्ती-खोर है। दरअसल उसकी लिखी हुई स्क्रिप्ट पर ही मैं एक्ट करती हूं। ये एक्टर्स और हर्ष दोनों ही जानते हैं कि मेरा हीरोज के साथ रोमांस और फ्लर्ट करना सिर्फ दर्शकों के मनोरंजन के लिए होता है। इसलिए बॉलीवुड हीरोज और हर्ष दोनों ही मेरे मस्ती भरे रोमांस को एंज्वॉय करते हैं। *

मेरा बेटा गोला बहुत बड़ा तूफान है

भारती सिंह अपने बेटे गोला से बहुत प्यार करती हैं। ऐसी भी चर्चा है कि वे दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रही हैं। इस बात में कितनी सच्चाई है, पूछने पर भारती कहती हैं, 'अरे नहीं! अभी तो एक ही नहीं संभल रहा मुझसे। एक्चुअली मेरा बेटा गोला बहुत बड़ा तूफान है, उसको पूरा घर मिलकर भी नहीं संभाल पाता। मैं गोला से बहुत प्यार करती हूं। जब कभी शूटिंग की वजह से घर पहुंचने में लेट होता है तो मैं उससे वीडियो कॉल पर बात जरूर करती हूं। फिलहाल तो गोला के साथ ही बिजी हूं, दूसरे बच्चे के बारे में मैं नहीं सोच रही हूं। मुझे दूसरा बच्चा चाहिए, लेकिन अभी नहीं। कुछ समय बाद ही दूसरे बच्चे की प्लानिंग करूंगी।'